हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार 3 मई 2026

11 मंडल बैठक में कार्यकर्ताओं को दिया संगठनात्मक मार्गदर्शन

12 डेढ़ दशक से बंद पड़ा मंडी का पैक हाउस कम-कोल्ड...

Where Dreams come True

Under the aegis of RPS Education Society, M/Garh
RPS GROUP OF COLLEGES
ENGINEERING | POLYTECHNIC | MANAGEMENT | DEGREE | VETERINARY COLLEGE
100% PLACEMENT ASSISTANCE
NAAC ACCREDITED

RPSians Creating New Benchmarks in University Results 2026-1st Rankers

1st Rank — MAMTA, D/o Sh. Rajender, B.Sc. Hons. Phy. 5th Sem.
1st Rank — TAPESH, S/o Sh. Rajkumar, B.Tech. ME 7th Sem.
1st Rank — JYOTI, D/o Sh. Rajiv, B.Sc. Hons. Chem. 5th Sem.
1st Rank — KHUSHI, D/o Sh. Akhlesh, B.Sc. Hons. Maths 5th Sem.
1st Rank — SANEH, D/o Sh. Sunil, B.Sc. Non-Medical 5th Sem.
1st Rank — MOHIT, S/o Sh. Pawan, B.Sc. Hons. Zoo. 5th Sem.
1st Rank — HARSH, S/o Sh. Sunil, B.Tech. ME. 1st Sem.
1st Rank — PRIYANKA, D/o Sh. Dharmender, M.Sc. Maths 1st Sem.
1st Rank — AYUSHI, D/o Sh. Umesh, B.Tech. CSE. 1st Sem.
1st Rank — CHIRAG, S/o Sh. Satish, B.Tech. CSE AI & ML 1st Sem.
1st Rank — TANU, D/o Sh. Surender, B.Tech. CSE AI & ML 3rd Sem.
1st Rank — USHA, D/o Sh. Balraj, M.Sc. Maths 3rd Sem.
1st Rank — JYOTI, D/o Sh. Dashrath, M.Sc. Phy. 1st Sem.
1st Rank — ISHU, D/o Sh. Mahinder, B.Com. 3rd Sem.
1st Rank — NANCY, D/o Sh. Parvesh, B.Sc. Medical 5th Sem.
1st Rank — CHANCHAL, D/o Sh. Naveen, M.Sc. Chem. 1st Sem.
1st Rank — PREETI, D/o Sh. Dhanpat, B.Tech. Civil. 3rd Sem.
1st Rank — ADITYA, S/o Sh. Umesh, B.Tech. ECE 5th Sem.
1st Rank — YOGESH, S/o Sh. Rajesh, B.Tech. EE 1st Sem.
1st Rank — LAKSHAY, S/o Sh. Ajit, M.Tech. ECE 1st Sem.
1st Rank — AMIT, S/o Sh. Hari Kishan, M.Tech. ME 3rd Sem.
1st Rank — DINESH, S/o Sh. Krishan, B.Tech. EE 5th Sem.
1st Rank — HARSH, S/o Sh. Sunil, B.Tech. Civil 1st Sem.
1st Rank — AANCHAL, D/o Sh. Satish, B.Tech. CSE 7th Sem.
1st Rank — DIVYA, D/o Sh. Dinesh, BBA 3rd Sem.
1st Rank — RITIKA, D/o Sh. Suresh, M.Sc. Zoo. 3rd Sem.
1st Rank — KAJAL, D/o Sh. Rajesh, M.Sc. Bot. 1st Sem.
1st Rank — ANSHIKA, D/o Sh. Parmod, B.tech. CSE 5th Sem.
1st Rank — DEEPANSHU, D/o Sh. Satvir, B.Tech ECE 1st Sem.
1st Rank — NITESH, S/o Sh. Kuldeep, B.Tech. EE 3rd Sem.
1st Rank — DIVYA, D/o Sh. Rakesh, MBA 1st Sem.
1st Rank — POOJA, D/o Sh. Sukhbir, B.Sc. Hons. Zoo. 3rd Sem.

RPSians in Course Wise TOP 10 University Positions: 2025-26

10/10 UNIVERSITY POSITIONS — 04 COURSES
09/10 UNIVERSITY POSITIONS — 07 COURSES
08/10 UNIVERSITY POSITIONS — 09 COURSES
07/10 UNIVERSITY POSITIONS — 07 COURSES
06/10 UNIVERSITY POSITIONS — 08 COURSES
05/10 UNIVERSITY POSITIONS — 13 COURSES

UNIVERSITY POSITIONS Total Students 478+

FROM CLASSROOM TO CAREER
OUR RECENT PLACEMENTS

SAHIL (B.Tech. CSE) — 35 LACS PER ANNUM — INSPHERE SOLUTIONS
KAPIL SONI (B.Tech. CSE) — 24 LACS PER ANNUM — epam
ANUBHAV (B.Tech. CSE) — 21 LACS PER ANNUM — Google
VEDPAL (M.Sc. Maths) — 14.5 LACS PER ANNUM — AXTRIA SALESIQ

Our Tie-ups/MOUs

GATE-2026 Qualifiers
Total Qualifiers 20

DIMPLE, D/o Sh. Naresh, B.Tech. (Civil)
JITENDER, S/o Sh. Ravinder, B.Tech. (ECE)
KESHAV, S/o Sh. Anil, B.Tech. (ECE)
HARSHITA, D/o Sh. Ashok Pal, (Chemistry)
KHUSHBU, D/o Sh. Kulwant, B.Tech. (EE)
HARIOM, S/o Sh. Satyapal, B.Tech. (CSE)
DAKSH, S/o Sh. Laxmi Narayan, B.Tech. (CSE)

IIT-JAM 2026 Qualifiers
Total Qualifiers 21

AIR 130 — MAMTA, D/o Sh. Rajender, PHYSICS
AIR 227 — RASHMI, D/o Sh. Ramesh, CHEMISTRY
AIR 232 — KHUSHI, D/o Sh. Akhlesh, MATHEMATICS
AIR 345 — POOJA, D/o Sh. Kuldeep, PHYSICS
AIR 367 — JYOTI, D/o Sh. Rajiv, CHEMISTRY
AIR 561 — TAMMANA, D/o Sh. Pawan, MATHEMATICS
AIR 732 — JYOTI, D/o Sh. Naresh, MATHEMATICS

EXTRA CURRICULAR ACTIVITIES 2025-26

Sports 1st POSITION IN INTER COLLEGE
FOOTBALL | BADMINTON | VOLLEYBALL
KABADDI | CHESS | TAE-KWON-DO

TEAM RPS COLLEGE WINNER
3rd Position All India Inter University National Youth Festival-2026
(10-14 March, 2026)

FOREIGN COLLABORATION MRSU, RUSSIA

INTERNATIONAL WORKSHOP VETopia

RUSSIAN - INDIAN CULTURAL EVENT

ADMISSION OPEN 2026-27

Courses Offered
B.Tech. | M.Tech. | POLYTECHNIC
MBA | BBA | BCA | B.Sc. | M.Sc. | B.A.
B.Com. | M.Com. | B.V.Sc & A.H. | VLDD

Special Classes For All Competitive Exams During Collage Hours.
PRAYAAS
A CENTER FOR COMPETITIVE EXAMS
CIVIL SERVICES IAS/IPS | NDA/ CDS | SSC CGL/CPO/ HSSC/ CLERK
IIT/ JAM | AIR FORCE/ NAVY / ARMY | BANKING/ INSURANCE | NET/ GATE

ENGINEERING COLLEGE

DEGREE COLLEGE (UG)

VETERINARY COLLEGE

VETERINARY HOSPITAL

SCAN FOR CAMPUS TOUR

ENGINEERING 01285-341431, 9812002446 www.rpsinstitutions.org
DEGREE 01285-341432, 8222999153 www.rpsdegreecollege.edu.in
VETERINARY 01285-341430, 8222888337 www.rpsvetcollege.org
8th Mile Stone Balana, Mahendergarh, Haryana (NCR)
WORLD CLASS HOSTEL FOR BOYS & GIRLS (AC/ NON-AC)
BUS FACILITY UPTO 80KMS.

डीजीपी के आदेश पर गुरुग्राम जिले से बाहर नारनौल पुलिस अधीक्षक ने की थी जांच, पुलिस विभाग में मची खलबली

जिस केस को दो बार रद्द किया उसकी जांच रिपोर्ट में एसीपी सहित 4 पुलिस कर्मी मिले दोषी !

■ घर में घुसकर पांच में से दो आरोपितों को गिरफ्तार कर एफआईआर की थी रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

सेवा, सुरक्षा सहयोग का दावा करने वाली पुलिस की कार्यप्रणाली भी लाजवाब है। ऐसा भी नहीं है कि सारे काम पलीता लगाने वाले करती है लेकिन एक आधा काम ऐसे किए जाते हैं जो 'उल्टी गंगा पहाड़ चढाने' जैसे साबित होते हैं। ऐसे ही एक मामले में गुरुग्राम के सेक्टर-14 थाना क्षेत्र में दर्ज प्राथमिकी की जांच में बरती गई लापरवाही को लेकर पुलिस महकमे में खलबली मच गई है। इस जांच रिपोर्ट ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिसमें पीड़ित महिला अनिल देवी के भाई कनीना वासी राजीव यादव ने

कनीना। शिकायत प्रति दिखाती पीड़ित महिला तथा एसपी नारनौल की ओर से दोषी ठहराए गए पुलिस कर्मचारियों की जांच रिपोर्ट। फोटो : हरिभूमि

सभी दस्तावेज दिखाते हुए बताया कि उनकी शिकायत पर बीती 30 नवंबर 2024 को घर में घुसकर मारपीट के आरोप में सीसीटीवी फुटेज पेश कर पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप है कि मात्र एक माह बाद तत्कालीन एसएचओ ने मुख्य आरोपित राजवीर से मिलीभगत कर केस को रद्द कर दिया। न्याय की उम्मीद से उन्होंने पुलिस आयुक्त गुरुग्राम से गुहार लगाई। जिस पर उन्होंने डीसीपी वेस्ट को दोबारा जांच करवाने के आदेश दिए। जांच अधिकारी द्वारा मारपीट की पुष्टि करते हुए राजवीर और उसके बेटे कपिल को गिरफ्तार किया गया, हालांकि उन्हें पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया लेकिन अन्य तीन आरोपित फरार रहे। इसके बाद एक बार फिर आरोपित की अर्जी पर बिना पीड़िता को शामिल किए जांच कर केस को दोबारा रद्द करने की सिफारिश कर दी गई। पीड़िता ने अदालत का रुख किया। अदालत ने जांच अधिकारी को नोटिस जारी कर तलब किया, किंतु जांच अधिकारी कोर्ट में पेश नहीं हुआ। इस पर अदालत ने मामले में पुनः जांच के आदेश दिए। लगातार हो रही ढीली कार्रवाई से असंतुष्ट पीड़िता ने प्रदेश के पुलिस महानिदेशक से इस केस की जांच गुरुग्राम जिले से बाहर किसी भी जिले के एसपी से करवाने की मांग की। जिस पर करीब दो माह पूर्व इस केस की जांच का जिम्मा एसपी नारनौल को सौंपा गया। एसपी नारनौल द्वारा कराई गई जांच में एसीपी सहित चार पुलिस अधिकारियों द्वारा गलत तथ्यों के आधार पर केस रद्द करने का दोषी पाया गया, वहीं आरोपितों को भी मारपीट का दोषी माना गया। डीजीपी डॉ अजय सिंघल की ओर से इस रिपोर्ट को गुरुग्राम भेजकर एक्शन रिपोर्ट मांगी। बावजूद इसके, डीसीपी वेस्ट द्वारा फिर से एक नई एसआईटी गठित की गई। पीड़ित महिला ने इस पूरे मामले में शामिल मारपीट के आरोपितों तथा दोषी पुलिस कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

यह है पीड़िता की शिकायत

गुरुग्राम के सेक्टर-14 थाना क्षेत्र में घर में घुसकर मारपीट करने और धमकी देने के आरोप में पीड़ित महिला अनिल देवी ने पुलिस को शिकायत दी थी। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि 25 सितंबर 2024 को राजवीर व कपिल समेत पांच लोग उनके घर में घुस आए और मकान खाली करने की धमकी देने लगे थे। विरोध करने पर आरोपितों ने गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया था, जिसमें अभय सिंह, उनके पुत्र सुधीर कुमार और पत्नी अनिल देवी घायल हो गए थे। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। पुलिस ने 30 सितंबर 2024 को विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया, लेकिन आरोप है कि बाद में मिलीभगत कर कार्रवाई कमजोर कर दी गई।

दो बार मुकदमे को किया रद्द

इस बारे में पीड़ित महिला अनिल देवी ने कहा कि पुलिस ने आरोपित से सांठगांठ करके एक मुकदमे को एक नहीं बल्कि दो बार रद्द किया। जिससे उनका गुरुग्राम पुलिस की जांच से भरोसा उठ गया और पुलिस महानिदेशक से गुरुग्राम जिले से बाहर जांच करवाने की गुहार लगाई।

दोषी पर होगी विभागीय कार्रवाई

इस बारे में मामले की जांच कर रहे गुरुग्राम के डीसीपी ट्रैफिक प्रतीक गहलोत ने कहा कि परिवाद की जांच की जा रही है। शनिवार को पीड़ित महिला के बयान कलमबद्ध किए गए हैं। जांच में दोषी पाए जाने वाले मुलाजिमों के विरूद्ध विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

दूसरे दिन भी काम छोड़ हड़ताल, फायर कर्मियों के समर्थन में उठी आवाज

सुनवाई नहीं होने पर तीन दिन और बढ़ी हड़ताल

फरीदाबाद अग्निकांड में भेदभाव के विरोध में 25वें दिन भी हड़ताल पर डटे अग्निशमन कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। हड़तालियों को संबोधित करते सर्वकर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव महेंद्र बोयत। फोटो : हरिभूमि

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई नारनौल की ओर से शनिवार को दूसरे दिन भी काम छोड़ हड़ताल जारी रही। वहीं अग्निशमन विभाग के कर्मचारी भी अपनी मांगों को लेकर 25वें दिन हड़ताल पर डटे रहे। संयुक्त धरने की अध्यक्षता नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई प्रधान भूपेंद्र सारवान तथा अग्निशमन विभाग इकाई नारनौल के प्रधान गुरदयाल सिंह ने संयुक्त रूप से की। वहीं अब यह हड़ताल तीन दिन ओर बढ़ गई है।

धरने को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेताओं ने कहा कि सरकार लगातार कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी कर रही है, जिसके चलते कर्मचारियों को मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। नेताओं ने कहा कि कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, ठेका प्रथा समाप्त करने, वेतन संबंधी समस्याओं का समाधान करने तथा कर्मचारियों को मूलभूत सुविधाएं देने जैसी मांगें लंबे समय से लंबित हैं, लेकिन सरकार इन पर गंभीरता नहीं दिखा रही।

संयुक्त नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रधान भूपेंद्र सारवान ने कहा कि जब तक कच्चे कर्मचारियों को पक्का नहीं किया जाएगा और फायर विभाग के साथियों को इंसाफ नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि इसी 30 अप्रैल को चंडीगढ़ में नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के नेताओं और हरियाणा सरकार के निकाय मंत्री के बीच बैठक हुई थी, लेकिन कर्मचारियों की मांगों पर कोई सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद संगठन ने काम छोड़ हड़ताल का निर्णय लिया।

कर्मचारी नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के कारण कर्मचारी हताश हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी कर्मचारी अपनी इच्छा से हड़ताल नहीं करता, लेकिन सरकार की अनदेखी ने कर्मचारियों को आंदोलन करने के लिए मजबूर कर दिया है। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द समाधान नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

धरने में सर्व कर्मचारी संघ के राज्य सचिव महेंद्र बोयत, जिला प्रधान कौशल यादव, नगर पालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान राहुल सारवान सहित महावीर प्रसाद, भीम सिंह, जसवंत, निरंजन, रोशन, प्रदीप, लीलाराम, मनोज कुमार, रविकांत, राकेश, राजेश, अमित कुमार, आशु, रमेश कुमार, विक्रम, लखन, मनोज देवी, मंजू देवी, पूनम देवी और सुनीता देवी तथा फायर ब्रिगेड की ओर से लीलाराम, संदीप कुमार, हरिओम, सतपाल सिंह, इंद्रसिंह, अजय कुमार, राकेश, सुभाष चंद, प्रदीप कुमार, रविकांत, अशीष, हवासिंह, विक्रम जोया, अशोक कुमार, दिनेश कुमार, अनिल कुमार, संजय कुमार, सुंदर कुमार एवं विनित यादव आदि मौजूद रहे।

फायर ब्रिगेड का मुद्दा भी उठा

धरने के दौरान फायर कर्मियों के साथ हुए कथित भेदभाव का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। नेताओं ने कहा कि फरीदाबाद अग्निकांड में ड्यूटी के दौरान एक पुलिस कर्मी तथा दो फायर कर्मियों की मौत हुई थी। प्रदेश के सीएम नायब सैनी ने मृतक पुलिस कर्मी को शहीद का दर्जा देते हुए उसके परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता तथा आश्रित को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की, जबकि शहीद हुए फायर कर्मियों के परिवारों को केवल 30-30 लाख रुपये की सहायता राशि घोषित की गई। न तो उन्हें शहीद का दर्जा दिया गया और न ही परिवार को नौकरी देने की घोषणा की गई। इसी भेदभाव के विरोध में प्रदेशभर के फायर कर्मचारी पिछले 25 दिनों से हड़ताल पर हैं। नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने भी फायर कर्मियों के आंदोलन को पूरा समर्थन दिया।

ठेका प्रथा खत्म करने की मांग को लेकर धरना तेज

मंडी अटेली। नगर पालिका क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों का ठेका प्रथा के विरोध में आंदोलन लगातार जोर पकड़ता जा रहा है। अनिश्चितकालीन धरने के दूसरे दिन भी सफाई कर्मचारियों ने कामकाज पूरी तरह ठप रखते हुए अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी रखा, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित रही। धरने की अगुवाई कर रहे ब्लॉक प्रधान मनीष कुमार ने कहा कि ठेकेदारी व्यवस्था के कारण कर्मचारियों का लगातार शोषण हो रहा है। उन्होंने बताया कि लंबे समय से काम करने के बावजूद कर्मचारियों को स्थायित्व और उचित वेतन नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनका जीवन प्रभावित हो रहा है।कर्मचारियों ने सरकार से ठेका प्रथा को समाप्त कर नियमित भर्ती करने, न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये प्रतिमाह निर्धारित करने और समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करने की मांग उठाई। इसके साथ ही सभी सरकारी सुविधाएं देने की भी मांग रखी गई। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांगें पूरी होने तक धरना जारी रहेगा। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इस धरने में मनोज कुमार, गीता, रामकिशन, राकेश, मंजू, ऊषा, लक्ष्मी, रेखा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

नियमित करने की मांग को लेकर नपा के सफाई कर्मचारियों ने की काम छोड़ हड़ताल

कनीना। नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों की काम छोड़ हड़ताल शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रही। इस बारे में प्रधान अनिल कुमार ने बताया कि कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने की मांग को लेकर नगर पालिका कर्मचारी संघ के बैनर तले दो दिवसीय हड़ताल की घोषणा की गई थी। उन्होंने बताया कि कनीना नगरपालिका में 21 कर्मचारी अस्थाई रूप से कार्य कर रहे हैं जबकि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का फैसला उनके हक में आ चुका है। उनकी ओर से पहले भी सांकेतिक हड़ताल की गई थी, जिस पर अधिकारियों ने सकारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया था। हड़ताल में संजय, सुनील, सुभाष, योगेश, कलदीप, पवन, अनिल, नवीन, नरेंद्र, बिमला देवी, कर्मबीर, प्रदीप, रमेश, शशिबाला, सोनू शामिल थे।

नपा सफाई कर्मचारियों की हड़ताल दूसरे दिन भी रही जारी, की नारेबाजी

महेंद्रगढ़। नगर पालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों की दो दिवसीय हड़ताल शनिवार को भी जारी रहीं। हड़ताल के दूसरे दिन भी कामकाज पूरी तरह ठप रहा। हालांकि शहर की सफाई व्यवस्था डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के कर्मचारियों ने कूडे प्वाइंट पर सफाई व्यवस्था संभाली हुई थी। कर्मचारी नगर पालिका कार्यालय में धरने पर बैठकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। प्रधान ने बताया कि हाल ही में चंडीगढ़ में प्रधान सचिव अशोक मीणा के साथ 17 सूत्रीय मांगों पर बातचीत हुई थी, लेकिन कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। इस मौके पर प्रधान पूर्ण कुमार, रामू, बिरजू, दीपक, चांदराम, रोहित, विनोद, सुंडाराम, शम्मी, राजेश, विजय, संदीप, रामपाल, महेंद्र, राहुल, आरती सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

झंडा चौक पर दो दिवसीय श्याम संकीर्तन महोत्सव शुरू

मंडी अटेली। शहर के झंडा चौक पर शनिवार से दो दिवसीय श्याम संकीर्तन महोत्सव का शुभारंभ हो गया। पहले दिन श्रद्धालुओं की उपस्थिति में सुंदर काण्ड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तिमय वातावरण बना रहा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विपिन गोयल उर्फ दुर्गा ने बताया कि शनिवार शाम सवा सात बजे सुंदर काण्ड पाठ आयोजित किया गया। जिसमें हनुमंत कृपा पात्र रसराज महाराज और पुष्प मनोहारी शर्मा ने पाठ कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस दौरान भव्य दरबार भी सजाया गया। आज शाम सवा सात बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन होगा। इसमें वृन्दावन की गायिका गौरी-साक्षी, जयपुर के भजन गायक अभिषेक नामा और ग्वालियर के मनोज शर्मा अपनी प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम के दौरान अखंड ज्योति, कीर्तन और भोग का आयोजन भी किया जाएगा। मंच संचालन गोपाल भारद्वाज करेंगे। आयोजन नरेश पुनिया म्यूजिकल ग्रुप,अश्यनी यादव, मोरवी साउंड और श्री श्याम दीवाने मंडल अटेली मंडी द्वारा किया जा रहा है।

परशुराम चौक पर भारत विकास परिषद ने आयोजित की प्रकल्प रसोई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारत विकास परिषद के प्रकल्प आनंद रसोई के तहत शनिवार को महिला आईटीआई के सामने भगवान परशुराम चौक पर आनंद रसोई का आयोजन किया गया। शनिवार को आनंद रसोई शहर के जाने-माने शिक्षाविद रहे कांतिलाल सैनी की दसवीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनके बेटे परिषद के वरिष्ठ सदस्य विशाल सैनी एवं उनके परिवार की ओर से लगाई गई। इसके अंतर्गत चौक पर मौजूद समस्त श्रमिक भाइयों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था विशाल सैनी परिवार की ओर से की गई। सबसे पहले परिषद के सभी सदस्यों ने कांतिलाल सैनी को याद करते हुए गायत्री मंत्र का जाप कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रमिकों को अल्पाहार प्रसाद वितरित करते हुए विशाल सैनी ने कहा कि पिताजी सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रसर रहते थे, उन्हीं की प्रेरणा है कि आज हम उनकी याद में इन श्रमिक परिवारों के लिए कुछ व्यवस्था कर रहे हैं। क्योंकि मानव सेवा ही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि है।

इस अवसर पर परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष राजकुमार यादव एडवोकेट ने बताया कि कांतिलाल सैनी हमारे क्षेत्र ही नहीं, अपितु समस्त प्रदेश के प्राचीनतम शिक्षाविदों में एक रहे। जिन्होंने इलाके में शिक्षा की अलख जगाने के साथ-साथ मानव सेवा के संकल्प को सदैव सर्वोपरि रखा। इस मौके पर शारदा देवी सैनी, विशाल सैनी, विवेक सैनी, राजकुमार यादव, संदीप शुक्ला, नवीन गुप्ता, पवन अरोड़ा, सुभाष सिंगला, पवन यादव, सुभाष कश्यप, सरोज कश्यप, सुनील चुघ आदि मौजूद रहे।

मानसून से पहले सड़क सुधार की मांग तेज, खामपुरा में सरपंच ने उठाई आवाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

क्षेत्र के गांव खामपुरा में अधूरे पड़े विकास कार्य को लेकर ग्रामीणों में रोष लगातार बढ़ता जा रहा है। जिला परिषद द्वारा प्रवीण के मकान से लेकर गांव के जोहड़ तक पाइपलाइन बिछाने के लिए इंटरलॉकिंग टाइलों की सड़क को उखाड़ा गया था, लेकिन कार्य पूर्ण होने के बावजूद सड़क की मरम्मत अब तक नहीं करवाई गई है। यह कार्य पिछले करीब चार माह से लंबित पड़ा हुआ है, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी बनी हुई है। सड़क की इंटरलॉकिंग टाइलें धीरे-धीरे गायब होती जा रही हैं जिससे रास्ता और अधिक खराब होता

मंडी अटेली। खामपुरा में पाइपलाइन बिछाने के बाद उखड़ी पड़ी सड़क।

जा रहा है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आधे से अधिक टाइलें पूरी तरह गायब हो सकती हैं, जिससे सड़क की स्थिति बेहद जर्जर हो जाएगी और आवागमन में गंभीर परेशानी खड़ी हो सकती है।

इस संबंध में गांव की सरपंच प्रियंका यादव ने स्पष्ट किया कि यह कार्य पूरी तरह से जिला परिषद के अंतर्गत किया गया था और ग्राम पंचायत की इसमें कोई सीधी भूमिका नहीं रही। उन्होंने बताया कि पंचायत की ओर से कई बार संबंधित विभाग और जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार को सड़क की मरम्मत के लिए अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

सरपंच प्रियंका यादव ने कहा कि ग्राम पंचायत ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से ले रही है और लगातार प्रशासन से संपर्क में है ताकि जल्द समाधान हो सके। उन्होंने बताया कि पंचायत के पास फिलहाल पर्याप्त बजट नहीं है, जिस कारण अपने स्तर पर सड़क की मरम्मत कराना संभव नहीं है।

सांसद पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

महेंद्रगढ़। हरियाणा से राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल के संबंध में कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में टीम कुलदीप बिश्नोई के समर्थकों ने कड़ी आपत्ति जताते हुए पुलिस में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता रुद्रपाल सिंह ने पुलिस को दिए शिकायत में आरोप लगाया है कि सांसद द्वारा सार्वजनिक मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया, जो न केवल एक वरिष्ठ नेता के सम्मान के खिलाफ है, बल्कि समाज में गलत संदेश भी देता है। उन्होंने कहा कि चौधरी भजनलाल हरियाणा में राज्य के सामाजिक आर्थिक और बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित क्षेत्रों में घर-घर जाकर जनगणना से संबंधित आंकड़ों का करेंगे संकलन

फिल्ड ट्रेनर के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक

महेंद्रगढ़ में जनगणना 2027 के प्रथम चरण का शुभारंभ, 387 प्रगणक व 74 सुपरवाइजर तैनात

■ जनगणना 2027 : महेंद्रगढ़ में आठ ट्रेनरों की निगरानी में होगा फील्ड कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। अधिकारियों की बैठक लेते एसडीएम। फोटो : हरिभूमि

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अन्तर्गत गृह गणना कार्यक्रम का शुभारंभ संपूर्ण हरियाणा राज्य में किया गया है। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य के सफल एवं व्यवस्थित संचालन के लिए ब्लॉक महेंद्रगढ़ में कुल 387 प्रगणकों एवं 74 सुपरवाइजरों की नियुक्ति की गई है। ये सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित क्षेत्रों में घर-घर जाकर जनगणना से संबंधित आंकड़ों का संकलन करेंगे तथा निर्धारित समयावधि में इस कार्य को पूर्ण करेंगे। इस कार्य को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न करने के उद्देश्य से एसडीएम योगेश सैनी आईएएस द्वारा फिल्ड ट्रेनर के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जनगणना कार्य के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक के दौरान यह निर्देश दिया गया कि सभी ट्रेनर अपने अनुभव एवं विशेषज्ञता का पूर्ण उपयोग करते हुए फील्ड में कार्य कर रहे सुपरवाइजरों के कार्यों की नियमित निगरानी एवं मार्गदर्शन सुनिश्चित करें। सुपरवाइजरों द्वारा किए जा रहे कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता एवं सटीकता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि चार्ज ऑफिसर द्वारा समन्वित समस्त जनगणना प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके। इस बैठक में राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. विजय सिंह, प्रो. डॉ. शमशेर सिंह, डॉ. बलजीत सिंह, प्रो. डॉ. सोमवीर, प्रो. जितेंद्र कुमार वशिष्ठ, प्रो. राकेश कुमार, प्रो. देवेन्द्र कुमार तथा प्रो. रवि शंकर ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई तथा जनगणना कार्य के सफल क्रियान्वयन के लिए अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए। निर्देशानुसार, प्रत्येक ट्रेनर को सुपरवाइजरों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पूरे महेंद्रगढ़ ब्लॉक में कुल आठ ट्रेनर नियुक्त किए गए हैं, जो संबंधित सुपरवाइजरों के कार्यों पर सतत निगरानी रखेंगे। ये ट्रेनर प्रतिदिन फील्ड से प्राप्त प्रगति रिपोर्ट का संकलन करेंगे तथा उसे निर्धारित प्रारूप में चार्ज ऑफिसर के माध्यम से तहसील कार्यालय में जमा करवाएंगे। इससे कार्य की नियमित समीक्षा एवं प्रगति का आकलन संभव हो सकेगा।

इसके अतिरिक्त, यह भी निर्देश दिए गए कि यदि फील्ड कार्य के दौरान किसी प्रकार की समस्या, भ्रम या तकनीकी कठिनाई का सामना करना पड़ता है, तो संबंधित ट्रेनर से तुरंत संपर्क कर समाधान प्राप्त किया जाए, ताकि कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। इस महत्वपूर्ण कार्य के प्रभावी समन्वय के लिए राजेश शर्मा झाड़ली को समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया है।

8 दिन से सड़क पर बह रहा सीवर का गंदा पानी, बीमारी फैलने का खतरा

■ स्कूल जाने वाले बच्चों और राहगीरों को भारी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर के मोहल्ला बावड़ीपुर में पिछले करीब आठ-दस दिनों से सीवर लाइन जाम होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर फैला हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों का जीवन दूभर हो गया है। मोहल्लावासियों ने प्रशासन और संबंधित विभाग के खिलाफ नाराजगी जताते हुए जल्द समाधान की मांग की है। लोगों का कहना है कि कई बार जनस्वास्थ्य विभाग एवं नगर परिषद को शिकायत देने के बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है।

मोहल्ला बावड़ीवपुर में कृष्ण अवतार जांगिड़ के मकान के पास सीवर लाइन पूरी तरह जाम पड़ी हुई है। इसके चलते सीवर ओवरफ्लो होने पर इसका गंदा पानी सड़क पर जमा हो गया है और पूरे रास्ते में फैल रहा है। सड़क पर कीचड़ और गंदगी के कारण लोगों का पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार यह रास्ता मोहल्ले का मुख्य मार्ग है, जहां से पूरे दिन लोगों का आना-जाना लगा रहता है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों को उठानी पड़ रही है। इसी रास्ते से होकर बच्चे राजकीय हायर सेकेंडरी स्कूल जाते हैं। मोहल्लावासियों ने बताया कि सड़क पर लगातार गंदा पानी जमा रहने से आसपास मच्छरों की संख्या बढ़ गई है। बदबू इतनी अधिक है कि लोगों का घरों के बाहर बैठना तक मुश्किल हो गया है। लोगों को डर है कि यदि जल्द सफाई और सीवर लाइन की मरम्मत नहीं करवाई गई तो क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियां फैल सकती हैं। मोहल्लावासी वेदप्रकाश

नारनौल। मोहल्ला बावड़ीपुर की गली में भरी सीवर की गंदगी।

जांगिड़, कृष्ण अवतार जांगिड़, चिमन लाल जांगिड़, अनिल कुमार, पूरन चंद सैनी, शांति देवी और सेवा राम सैनी सहित अन्य लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सीवर लाइन की तुरंत सफाई करवाकर सड़क पर फैले गंदे पानी की निकासी सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो मोहल्लावासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

खबर संक्षेप

आआरसीएम स्कूल में हुई लेखन प्रतियोगिता

कनीना। आरआरसीएम स्कूल में छात्रों की रचनात्मकता और लेखन कला को प्रोत्साहित करने के लिए अंग्रेजी लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में कक्षा एक से 12वीं के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी लेखनी का कौशल दिखाया, जिसमें अश्मी ने पूरे स्कूल मे प्रथम व कार्तिक ने दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं कशिश, नीतिका, ख़ुशी, देविका, विधि, खुशी, निधि, अंकित, अंशिका, वंशिका और भाविक ने अपनी कक्षा में प्रथम स्थान हासिल किया और पूजा, दीपांशी, नेहा, आशा वर्मा, सुनैना, रिया, भूमिका, माही, शौर्य, माही, कनक, वंशिका और तशिका ने अपनी कक्षा में दूसरा स्थान हासिल किया।

अटेली में पक्षियों के लिए रखे सकोरे

मंडी अटेली। भीषण गर्मी के चलते जहां इंसान ही नहीं बल्कि बेजुबान पक्षी भी पानी की कमी से जूझ रहे हैं, वहीं उनके लिए राहत पहुंचाने की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई है। यह पहल भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पूर्व सरपंच कुलदीप यादव के नेतृत्व में सवित राज और बिट्टू लांबा की टीम ने करीब एक हजार मिट्टी के छोटे बर्तन लगाने का संकल्प लिया है।

सिगड़ा की अनारली देवी का निधन

महेंद्रगढ़। गांव सिगड़ा निवासी अनारली धर्मपत्नी स्वर्गीय मातादीन का 99 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में न केवल एक बुजुर्ग का साया उठा है, बल्कि एक ऐसी जीवनशैली का भी अंत हो गया है, जो आज के दौर में दुर्लभ है। स्वर्गीय अनारली का जीवन धैर्य और जीवटता की मिसाल था। वे अपने पीछे एक भरा-पूरा परिवार छोड़कर गई हैं। उनके परिवार में पुत्र कंवर सिंह नंबरदार एवं रामचंद्र, पौत्र डॉ. राकेश, इंद्रजीत एवं अजय सिगड़यिा परपौत्र मनोज, मोहित, राहुल, नवीन एवं प्रियांशु तथा पौत्री भूमिका सहित समस्त परिजन शामिल हैं। सिगड़ा एवं आसपास के गांवों से आए सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

नारनौल रेलवे स्टेशन से जुड़े यात्रियों की उठाई मांग

दैनिक रेल यात्री एवं जन कल्याण संघ ने रेलवे स्टेशन अधीक्षक को सौंपा मांग पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

दैनिक रेल यात्री एवं जन कल्याण संघ की ओर से रेलवे स्टेशन अधीक्षक के माध्यम से उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक जयपुर को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन में स्टेशन पर यात्रियों को मिल रही मूलभूत सुविधाओं के विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा यात्री सुविधा से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। ज्ञापन की प्रतिलिपि मंडल रेल प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल अभियंता एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त को भी प्रेषित की गई है, ताकि इन मांगों पर शीघ्र प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित हो सके। संघ के अध्यक्ष गणेश शर्मा ने बताया कि नारनौल रेलवे स्टेशन क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण एवं व्यस्त स्टेशन है, जहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में यात्री आवागमन करते हैं। इसके बावजूद स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था एवं बुनियादी सुविधाओं का अपेक्षित स्तर पर विकास नहीं हो पाया है। उन्होंने विशेष रूप से स्टेशन परिसर में पर्याप्त संख्या में आधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की मांग की, जिससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण रखा जा सके।

नारनौल। रेलवे स्टेशन अधीक्षक को मांग पत्र सौंपते संघ सदस्य। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर संघ सदस्य हितेंद्र कुमार, शिव कुमार, शरद कुमार, शशि शर्मा, सोनू पटीकरा एवं धर्मेश सैनी सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

रेलवे प्रशासन से अपील

संघ के पदाधिकारियों ने यह भी बताया कि प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर वर्तमान यात्री शेड काफी छोटा एवं अपर्याप्त है, जिसके कारण यात्रियों को धूप, गर्मी एवं बारिश के दौरान भारी असुविधा होती है। उन्होंने शीघ्र प्रभाव से यात्री शेड के विस्तार एवं सुधार की मांग की, ताकि यात्रियों को मौसम की मार से बचाया जा सके। अंत में संघ ने रेलवे प्रशासन से अपील की कि यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगमता को ध्यान में रखते हुए इन सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही की जाए।

इन मांगों को प्रमुखता से उठाया

उपाध्यक्ष पूनम फौजदार ने प्लेटफॉर्म संख्या 1 से प्लेटफॉर्म संख्या 2 तक एक सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित फुटपाथ (वॉकवे) के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में यात्रियों, विशेषकर बुजुर्गों, दिव्यांगजनों एवं महिलाओं को प्लेटफॉर्म बदलने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है, जिसे इस सुविधा के माध्यम से दूर किया जा सकता है।

रैंपयुक्त सीढ़ियां हो

महासचिव आशीष चौधरी ने बताया कि प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2 के बीच बना वर्तमान फुटओवर ब्रिज अत्यधिक खड़ी सीढ़ियों वाला है, जिससे यात्रियों को चढ़ने-उतरने में असुविधा होती है। उन्होंने इस पुल को रैंपयुक्त एवं दिव्यांगजन अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि यह सुविधा समय की मांग है।

पेयजल की किल्लत

सचिव एडवोकेट महावीर जैन ने प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर पेयजल की अपर्याप्त व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए बताया कि विशेषकर गर्मी के मौसम में यात्रियों को पीने के पानी के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने पर्याप्त संख्या में जल कूलर एवं स्वच्छ पेयजल बिंदु स्थापित करने की मांग की।

नारनौल मंडल के अध्यक्ष हेमंत ने बताई सोशल मीडिया, आईटी व मीडिया की बढ़ती भूमिका

मंडल बैठक में कार्यकर्ताओं को दिया संगठनात्मक मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारतीय जनता पार्टी नारनौल मंडल की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता नारनौल मंडल अध्यक्ष हेमंत चोबे ने की। जबकि जिला महामंत्री किशन लाल सैनी, जिला सचिव मनीष संधी, जिला मीडिया प्रभारी विकास अग्रवाल व जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा सोमेश यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में जिला महामंत्री किशन लाल सैनी ने संगठन की मजबूती में कार्यकर्ताओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि समर्पण, अनुशासन और निरंतर सक्रियता ही संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आधार हैं। जिला सचिव मनीष संधी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की विचारधारा और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहें। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में संगठनात्मक कार्यों को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाने के लिए तकनीक का सही उपयोग आवश्यक है।

इस अवसर पर नारनौल मंडल अध्यक्ष हेमंत चोबे ने सोशल मीडिया, आईटी और मीडिया की बढ़ती भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल प्लेटफॉर्म जनसंपर्क का सबसे सशक्त माध्यम बन चुका हैं, इसलिए कार्यकर्ताओं को इनका रणनीतिक और जिम्मेदारी पूर्ण उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया में दक्षता बढ़ाने,फेक न्यूज से सतर्क रहने तथा केवल तथ्यात्मक जानकारी साझा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली के नेतृत्व मे हरियाणा सरकार व संगठन में डिजिटल माध्यम को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

नारनौल। नारनौल मंडल की बैठक लेते मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे। फोटो :हरिभूमि

देश विकास व सुशासन की दिशा में : सोमेश

जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा सोमेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकास और सुशासन की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है और भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता इस बात का सशक्त सहभागी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा,कार्यपद्धति,सरकार की उपलब्धियों और आधुनिक तकनीक के उपयोग के बारे में बताया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मंडल उपाध्यक्ष जगदीश दीवान, मंजू सोनी व राजेश शर्मा, मंडल के सचिव नरेंद्र सोनी, मनोज निर्मल, आईटी प्रमुख केशव सैनी, भवानी वर्मा, मीडिया प्रमुख नवीन शर्मा, सुरेंद्र सोनी, जोगेंद्र जेदिया, सुरेश संधी, सतीश वाल्मीकि, अनिल चौधरी, मोहन कोहली, सुरेश, ओम प्रकाश, निहाल, सरोज कश्यप, जय सिंह तरेड़िया, अरमान, प्रशांत शर्मा, संजय सैनी, सुरेंद्र नारनोलिया, प्रकाश बारी, सुरेश सैनी, जगदीश सैनी व संजय कौशिक आदि अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक ने हकेंवि के मियावाकी वन का किया दौरा, प्रयासों की सराहना

महेंद्रगढ़। विधायक कंवर सिंह यादव ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में विकसित मियावाकी वन का दौरा किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने उनका स्वागत किया। दौरे के दौरान विधायक ने मियावाकी वन के विकास एवं संरक्षण में वन विभाग और विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि इस प्रकार के घने एवं पर्यावरण अनुकूल वन शहरी क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाने में अत्यंत सहायक हैं। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि महेंद्रगढ़ क्षेत्र में ऐसे और मियावाकी वन विकसित किए जाएं, ताकि पर्यावरण संरक्षण को और मजबूती मिल सके। कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने बताया कि यह मियावाकी वन लगभग दो वर्ष पूर्व वन विभाग के सहयोग से 2.5 एकड़ में स्थापित किया गया था और वर्तमान में इसे राज्य स्तर पर एक मॉडल मियावाकी वन के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

तकनीक के नाम पर जनता को परेशान करना सही नहीं: राता

मंडी अटेली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता ने डिजिटल सिस्टम को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि तकनीक को बढ़ावा देना जरूरी है, लेकिन बिना तैयारी के इसे हर स्तर पर लागू करना आम लोगों के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश में अभी भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो डिजिटल माध्यमों से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। ऐसे में हर सेवा को ऑनलाइन या ओटीपी आधारित बनाना लोगों के लिए झंझट बनता जा रहा है।सरकार को यह समझना चाहिए कि व्यवस्था का उद्देश्य लोगों को सुविधा देना होता है न कि उन्हें हर कदम पर प्रक्रिया में उलझाना। सुरक्षा के नाम पर आम आदमी को बार-बार सत्यापन की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, जिससे समय और ऊर्जा दोनों की बर्बादी होती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि यही नियम मंत्री और अधिकारियों पर भी सख्ती से लागू किए जाएं, तो उन्हें खुद इस व्यवस्था की कमियां समझ में आ जाएंगी। उन्होंने मांग की कि डिजिटल व्यवस्था को लागू करते समय जमीनी स्तर की जरूरतों और आम लोगों की स्थिति को ध्यान में रखा जाए, ताकि तकनीक वास्तव में जनहित में काम कर सके।

यदुवंशी स्कूल में हुई रंग भरो प्रतियोगिता

विद्यार्थियों में चित्रकला के प्रति रुचि विकसित करना उद्देश्य

- प्रतियोगिता बच्चों के सर्वांगीण विकास में निभाती हैं महत्वपूर्ण भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में शनिवार की गतिविधि के अंतर्गत रंग भरो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में चित्रकला के प्रति रुचि विकसित करना तथा उनकी कल्पनाशक्ति को प्रोत्साहित करना था। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित चित्रों में आकर्षक रंग भरकर सभी का मन मोह लिया। निर्णायक मंडल द्वारा विद्यार्थियों के कार्य का मूल्यांकन रंगों के संयोजन, साफ-सफाई और प्रस्तुति के आधार पर किया गया। ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिहं ने कहा कि रंग भरो केवल एक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह आपके अंदर छिपी रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति को व्यक्त करने का एक माध्यम है। इस प्रकार की प्रतियोगिता बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वह सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देता है और विशेष रूप से विजेताओं को शुभकामना देता हैं। इस मौके पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियो को शुभकामना दीं।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन से की मुलाकात

महेंद्रगढ़। सहकार भारती के प्रांत संपर्क प्रमुख सचिन महायच ने हरियाणा बाल अधिकार संरक्षण आयोग की नवनियुक्त चेयरपर्सन तृप्ति श्योराण से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने सहकार भारती जिला महेंद्रगढ़ की ओर से श्योराण को शुभकामना एवं बधाई दी। महायच ने बताया कि भिवानी जिले के गांव गागड़वास निवासी तृप्ति श्योराण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी रही हैं और सामाजिक संगठनों में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं। वर्तमान में वह सहकार भारती हरियाणा की प्रदेश सह महिला प्रमुख के दायित्व का निर्वहन भी कर रही हैं। सचिन महायच ने कहा कि तृप्ति श्योराण की नियुक्ति महिला नेतृत्व को प्रोत्साहन देने वाली राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने विश्वास जताया कि श्योराण बच्चों के अधिकारों की रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि इस आयोग का मुख्य उद्देश्य बाल शोषण रोकना और बच्चों के हितों की रक्षा करना ही हैं। महायच ने तृप्ति श्योराण की नियुक्ति पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर एवं प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनकी नियुक्ति से भिवानी ही नहीं, पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ा है। इस अवसर पर सहकार भारती के जिला मंत्री अरुण जोशी एवं विश्वविद्यालय अध्यक्ष आयुष्मान शुक्ला भी उपस्थित रहे।

बीआर आदर्श विद्यालय सेहलंग में हुई सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बीआर आदर्श विद्यालय सेहलंग में एक रोचक, ज्ञानवर्धक एवं प्रतिस्पर्धात्मक सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन के साथ किया।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि विद्यालय चेयरमैन हरिश भारद्वाज व अध्यक्षता प्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने की। प्रतियोगिता को दो वर्गों में विभाजित किया गया, जिसमें प्राथमिक वर्ग कक्षा तीसरी से पांचवीं तथा मध्य वर्ग कक्षा छठी से आठवीं के विद्यार्थियों ने भागीदारी निभाई। क्विज प्रतियोगिता को कुल पांच चरणों में सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। इन चरणों में सामान्य ज्ञान राउंड, त्वरित उत्तर राउंड, चित्र पहचान राउंड, समसामयिक घटनाएं राउंड तथा बजर राउंड शामिल थे। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली और हर राउंड के साथ रोमांच बढ़ता गया।

अंत में कड़े मुकाबले के बाद मध्य वर्ग से भारत हाउस तथा प्राथमिक वर्ग से माइंड ब्लास्टर टीम विजेता रही। विजेता टीम में कक्षा आठवीं से रौनक पुत्री उमेद सिंह, कक्षा सातवीं से स्नेहा पुत्री मनोज एवं हिमांशी पुत्री हुकमचंद, कक्षा छठी से युग पुत्र हरिश, कक्षा पांचवी से भव्य पुत्र अनिल, कक्षा चौथी से हिमांशु पुत्र हरेंद्र तथा दीक्षित पुत्र कैलाश तीसरी कक्षा से मयंक पुत्र विकास शामिल रहे। इन विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा, त्वरित उत्तर देने की क्षमता एवं टीम भावना का परिचय देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महेंद्रगढ़। प्रतिभागियों को प्रमाण देकर सम्मानित करते चेयरमैन हरिश भारद्वाज।

शिक्षा और जागरूकता ही नशा मुक्त समाज की मजबूत नींव: कैलाश यादव

विद्यालय प्रार्थना सभा में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दिया संदेश

युवाओं को नशे से बचाना समय की सबसे बड़ी जिम्मेदारी : रेखा यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल दर्गू में लीगल लिटरेसी क्लब के तत्वावधान में विद्यालय प्रार्थना सभा के दौरान 'नशा मुक्ति' विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा समाज में सकारात्मक संदेश देना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय की प्रधानाचार्य कैलाश यादव उपस्थित रहीं। प्रधानाचार्य कैलाश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से बचाना शिक्षा संस्थानों, अभिभावकों और समाज की संयुक्त जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की प्रयोगशाला होता है, जहां विद्यार्थियों को सही जीवन मूल्यों की शिक्षा दी जाती है। नशा युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा को कमजोर कर देता है।प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, खेल-कूद एवं रचनात्मक गतिविधियों में भाग लें और अपने आसपास के लोगों को भी नशा मुक्त जीवन के लिए प्रेरित करें। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि शिक्षक समाज परिवर्तन के सबसे बड़े मार्गदर्शक होते हैं।

नारनौल। नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम के तहत प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

विद्यार्थियों की प्रभावशाली प्रस्तुतियां

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने भाषण, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नृत्य प्रस्तुत कर नशा मुक्ति का प्रभावशाली संदेश दिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को जागरूक एवं प्रेरित किया। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, सामाजिक चेतना एवं सकारात्मक जीवनशैली विकसित करने के लिए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

10 मई को भोजावास में मनाई जाएगी महाराणा प्रताप जयंती

नारनौल। महाराणा प्रताप का जीवन प्रेरणा स्त्रोत है। उनकी सैन्य रणनीति आज भी प्रासंगिक है। महापुरुषों की जयंती मनाने से समाज में जागृति आती है। इसलिए हमें महापुरुषों की जयंतियो में बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए।

उक्त विचार अखिल भारतीय राजपूत महासभा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने गुजरवास, भोड़ी, खारीवाड़ा, गढ़ी रूथल, राताकलां में ग्रामीणों को आगामी 10 मई को भोजावास गांव में मनाई जा रही महाराणा प्रताप जयंती का न्यौता देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की जयंतिया मनाना समाज का नैतिक कर्तव्य है। जिन महापुरुष वीर योद्धा, शहीदों ने देश धर्म की खातिर अपने जीवन की कुर्बानी दी उनके प्रति कर्तज्ञता प्रकट करने के लिए उनकी जयंतियां मनाना बेहद जरूरी है। ग्रामीणों ने उनके निमंत्रण को स्वीकार करते हुए भोजावास जयंती समारोह में पूरे दल बल के साथ पहुंचने का भरोसा दिया। इस अवसर पर उनके साथ भाग सिंह तंवर, राजेन्द्र नम्बरदार, नरपत कमांडो, औमप्रकाश हिंदुस्तानी, करतार सिंह चेयरमैन, पदम सिंह, अशोक आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

चंदपुरा के सतीश यादव सहायक कमांडेंट पद से सेवानिवृत्त

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव चंदपुरा निवासी सतीश यादव केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली से सहायक कमांडेंट पद से सेवानिवृत्त हो गए। उनकी सेवानिवृत्ति पर उनके स्टाफ सदस्यों ने घर पहुंचकर फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सतीश यादव ने 12 फरवरी 1987 को सीआरपीएफ में ओपन भर्ती के तहत सिपाही के पद से अपनी सेवा शुरू की थी। अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी के दम पर उन्होंने विभाग में लगातार पदोन्नति हासिल की। अगस्त 1991 में एएसआई, सितंबर 2005 में सब इंस्पेक्टर, मार्च 2017 में इंस्पेक्टर तथा इसी वर्ष जनवरी में सहायक कमांडेंट के पद पर पदोन्नत हुए।सेवा के दौरान उनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए उन्हें वर्ष 2024 में मध्यप्रदेश के नीमच में सीआरपीएफ के महानिदेशक द्वारा राष्ट्रपति की ओर से 'सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और ईमानदारी का प्रमाण है।

मंडी अटेली। सेवानिवृत्त होने सहायक कमांडेंट को सम्मानित करते हुए।

परीक्षा केन्द्रों पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट की तैनाती

नीट परीक्षा आज : नारनौल व महेंद्रगढ़ के 9 केंद्रों पर पैनी नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

देश की प्रतिष्ठित नीट परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। उपायुक्त अनुपमा अंजली के निर्देशों पर परीक्षा केंद्रों की गरिमा और सुरक्षा बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी मजिस्ट्रेटों और कार्यकारी मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति कर दी गई है। प्रशासन की प्राथमिकता है कि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और परीक्षा की शुचिता हर हाल में बनी रहे। इस पूरी व्यवस्था की निगरानी के लिए अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी प्रशांत कुमार को कंट्रोल रूम का ओवरऑल इंचार्ज बनाया गया है ताकि पल-पल की रिपोर्ट फोन नंबर 01282-251322 पर संकलित की जा सके।

ये हैं नौ परीक्षा केंद्र

जिले में कुल 9 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें नारनौल उपमंडल के तहत 6 और महेंद्रगढ़ उपमंडल के तहत 3 केंद्र शामिल हैं। नारनौल में पीएम श्री राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, राजकीय महाविद्यालय, राजकीय महिला महाविद्यालय, राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय रघुनाथपुरा और राजकीय महाविद्यालय कृष्णनगर शामिल है। इसी प्रकार महेंद्रगढ़ में राजकीय महाविद्यालय, राजकीय महिला महाविद्यालय और राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में केंद्र है।

नारनौल। परीक्षा केंद्रों का दौरा करती डीसी अनुपमा अंजली। फोटो : हरिभूमि

डीसी ने किया केंद्रों का औचक निरीक्षण

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने शनिवार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व अन्य आवश्यक प्रबंधों का जायजा लिया। उपायुक्त ने कहा कि हर केंद्र पर सीसीटीवी कैमरों की चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए केंद्रों पर शुद्ध पेयजल, उचित साफ-सफाई और बैठने की समुचित व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि पुलिस और ड्यूटी मजिस्ट्रेट आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि परीक्षा केंद्र के आसपास किसी भी प्रकार की बाहरी दखलअंदाजी न हो सके।

आरएफओ रजनीश कुमार को रिजर्व ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया

विभिन्न थाना क्षेत्रों के अंतर्गत कानून व्यवस्था और यातायात प्रबंधन के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति की है। इस व्यवस्था के तहत थाना शहर नारनौल के लिए जन स्वास्थ्य विभाग के एसडीओ जसवीर सिंह, थाना सदर नारनौल के लिए बीकेएन पॉलीटेक्निक के प्रधानाचार्य अनिल यादव, थाना शहर महेंद्रगढ़ के लिए पंचायती राज के एसडीओ कुलदीप और यातायात थाना नारनौल के लिए एचएसएएमबी के एसडीओ प्रवेश कुमार को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये सभी अधिकारी संबंधित पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर परीक्षा के दौरान शांति व्यवस्था और सुचारू यातायात सुनिश्चित करेंगे। नारनौल उपमंडल क्षेत्र के सेंटरों के लिए आरएफओ रजनीश कुमार को रिजर्व ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। इसी प्रकार महेंद्रगढ़ उपमंडल क्षेत्र के सेंटरों के लिए जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग से कार्यकारी अभियंता अमित जैन को रिजर्व ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है।

खबर संक्षेप

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

नारनौल। निजामपुर रेलवे स्टेशन के पास डेडीकेटिड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) लाइनों पर मालगाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। युवक मेहाड़ा का रहने वाला था। जीआरपी चौकी प्रभारी कैलाश शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को राजस्थान के नीमकाथाना जिला के गांव मेहाड़ा का करीब 25 वर्षीय सोनू किसी काम से निजामपुर आया था। निजामपुर के रेलवे स्टेशन के पास वह फ्रेड कॉरिडोर की लाइनों को क्रॉस कर रहा था। इस दौरान वह अज्ञात मालगाड़ी की चपेट में आ गया, जिसकी सूचना जीआरपी चौकी को मिली। जिसके बाद जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पर मृतक युवक की शिनाख्त की गई। शिनाख्त हो जाने पर परिजनों को इसकी सूचना दी गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया गया।

निर्वाचित कॉलेजियम सदस्य आज करें अवलोकन

नारनौल। सैनी सभा की ओर से हाल ही में निर्वाचित कॉलेजियम सदस्य तीन मई को दोपहर 12 बजे चुनाव कार्यालय में उपस्थित होंवे। इस संबंध में चुनाव अधिकारी ने बताया कि सैनी सभा नारनौल के चुनाव कार्यालय में चुनाव में विजय होने का प्रमाण पत्र के अवलोकन हेतु उपस्थित होंगे।

गोचारा के लिए गोशाला में दिए 1.55 लाख

कनीना। गाय के तैतीस कोटि देवता निवास करते हैं। जो गाय की सेवा से प्रसन्न होते हैं। ये विचार दिल्ली निवासी अश्वनी गोयल ने गो सेवा के प्रति आस्था दिखाते हुए कनीना की श्री कृष्ण गोशाला को 1.55 लाख की राशि भेंट करते हुए व्यक्त किए। यह राशि गोचारा के लिए दी गई है, मेडिकल व्यवसाय से जुड़े अश्वनी गोयल ने इसे सामाजिक और मानवीय कर्तव्य बताते हुए कहा कि गो सेवा समाज के प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। गोशाला प्रधान भगत सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस सहयोग से गोवंश के लिए बेहतर चारा व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

युवती को झांसे में लेकर ठगे लाखों रुपये

महेंद्रगढ़। डिजिटल युग में साइबर अपराधी मासूम लोगों को ठगने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। ताजा मामला सतनाली क्षेत्र के गांव का है, जहां एक युवती विदेशी गिफ्ट के झांसे में आकर अपनी मेहनत की बड़ी कमाई गंवा बैठी। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 मार्च को उनके पास अनजान अंतरराष्ट्रीय नंबरों से व्हाट्सऐप कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को यूके इंग्लैंड का निवासी बताया। बातों के जाल में फंसाकर आरोपित ने युवती को कीमती गिफ्ट भेजने का लालच दिया। गिफ्ट के नाम पर सीमा शुल्क और अन्य शुल्कों के बहाने आरोपितों ने युवती से कुल 255599 रुपये धोखाधड़ी से ऐंठ लिए गए। ठगी का अहसास होने पर पीड़िता ने तुरंत साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।

लाखों रुपये की लागत से बना आधुनिक स्टोरेज, कबाड़ में तब्दील हो रहा सामान

डेढ़ दशक से बंद पड़ा मंडी का पैक हाउस कम-कोल्ड स्टोरेज टेंडर पर देने को तैयार

- हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड ने पैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज संचालन के लिए मांगे टेंडर, 20 मई तक कर सकेंगे आवेदन
- चोरी और उपयोग न होने से सरकारी संपत्ति को लगा बड़ा झटका

राजकुमार ▶▶| नारनौल

हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड पंचकूला ने प्रदेश की विभिन्न मंडियों में बने पैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज को संचालन के लिए लीज पर देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी कड़ी में नारनौल की नई अनाज एवं सब्जी मंडी में करीब डेढ़ दशक से बंद पड़े पैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज को भी अब दोबारा शुरू करने की कवायद तेज हुई है। इसके लिए ऑनलाइन टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एजेंसियां और फर्में 20 मई को शाम तीन बजे तक ई-टेंडर पोर्टल पर आवेदन कर सकती हैं। पहले आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि 6 मई निर्धारित की गई थी, जिसे अब बढ़ा दिया गया है। हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के चीफ मार्केटिंग इनफोर्समेंट ऑफिसर की ओर से यह प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत प्रदेश की 10 मंडियों केपैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इनमें बेरी, डबवाली, फरीदाबाद, रोहतक, जगाधरी, पानीपत, करनाल, पेहवा, हिसार और नारनौल शामिल हैं। चयनित एजेंसियों को तकनीकी और वित्तीय बोली के आधार पर स्टोरेज संचालन का अधिकार दिया जाएगा।

अलग खबर

नारनौल। मंडी में बना पैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज व स्टोरेज के बाहर लगाए गए दो बड़े जरनेटर। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। चोरी के बाद क्षतिग्रस्त स्टोरेज के बाहरी उपकरण। फोटो : हरिभूमि

आधुनिक सुविधाओं से लैस बनाया गया था कोल्ड स्टोरेज

नारनौल के नांगल चौधरी रोड स्थित जल महल के समीप करीब 65 एकड़ क्षेत्र में नई अनाज, सब्जी एवं पशुचारा मंडी विकसित की गई थी। वर्ष 2008 में तत्कालीन सरकार ने इस मंडी के निर्माण कार्य की शुरुआत करवाई थी। इसी दौरान मंडी परिसर में किसानों और फल-सब्जी व्यापारियों को सुविधा देने के उद्देश्य से आधुनिक पैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज का निर्माण भी कराया गया था। कोल्ड स्टोरेज में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए अलग से ट्रांसफार्मर लगाया गया था। इसके अलावा दो बड़े जनरेटर और कई एयर कंडीशनर भी लगाए गए थे, ताकि फल एवं सब्जियों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सके। उस समय इस परियोजना पर लाखों रुपये खर्च किए गए थे और इसे मंडी की बड़ी उपलब्धि माना गया था।

यह बोली अधिकारी

नारनौल मार्केट कमेटी की कार्यकारी अधिकारी-सह-सचिव नुकुल यादव ने बताया कि पैक हाउस-कम-कोल्ड स्टोरेज को लीज पर देने की योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एजेंसियां 20 मई तक तकनीकी एवं वित्तीय बिड जमा करा सकती हैं। जो एजेंसी तय मानकों पर खरी उतरेगी, उसे स्टोरेज संचालन का जिम्मा सौंपा जाएगा।

नहीं मिला कोई खरीदार

कोल्ड स्टोरेज को चालू करवाने और लीज पर देने के प्रयास पहले भी किए जा चुके हैं, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। फल एवं सब्जी कारोबार से जुड़ी एजेंसियों ने इसमें विशेष रुचि नहीं दिखाई। अब एकबार फिर हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड ने टेंडर जारी कर नई उम्मीद जगाई है। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस बार कोई सक्षम एजेंसी आगे आएगी और वर्षों से बंद पड़ी यह परियोजना उपयोग में आ सकेगी।

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ अलर्ट

लोगों में पहले मची घबराहट फिर आई राहत

- मोबाइल पर अचानक तेज बीप वाला अलर्ट? घबराएं नहीं सरकार का नया सिस्टम है
- काफी लोग अपने पेमेंट एप और अन्य सोशल मिडिया एप के पॉसवर्ड रिसेट करने में लग गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा के कई इलाकों में लोगों के मोबाइल फोन पर अचानक तेज बीप के साथ एक अलर्ट मैसेज आया। इस तेज आवाज और अचानक आए नोटिफिकेशन से कई लोग कुछ समय के लिए घबरा गए। कई लोग तो अपने फोन और सोशल मिडिया अकाउंट को रिसेट करने लग गए थे। सोशल मीडिया पर भी इस अलर्ट को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई और देखते ही देखते यह मुद्दा वायरल हो गया। हालांकि बाद में स्पष्ट हुआ कि यह कोई खतरे की घंटी नहीं बल्कि केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम का हिस्सा है। इस सिस्टम का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं, दुर्घटनाओं या किसी भी आपात स्थिति में लोगों तक तुरंत सूचना पहुंचाना है ताकि समय रहते बचाव किया जा सके।

क्या है यह इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम : यह एक आधुनिक तकनीक आधारित सिस्टम है जिसे देशभर में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। इसका इस्तेमाल भूकंप, सुनामी, बिजली गिरना, बाढ़, गैस लीक और रासायनिक खतरे समेत अन्य मानव-निर्मित आपात स्थितियां में किया जा सकेगा। इसके तहत सरकार सीधे मोबाइल नेटवर्क के जरिए लोगों को अलर्ट भेज सकती है। खास बात यह है कि यह मैसेज बिना इंटरनेट के भी पहुंचता है और इसके साथ एक तेज बीप की आवाज आती है ताकि लोग तुरंत ध्यान दें।

कैसे काम करता है यह सिस्टम

जिन यूजर्स के फोन पर यह मैसेज जाएगा उनके मोबाइल फोन पर तेज सायरन जैसी आवाज करेगा। फिर स्क्रीन पर फ्लैश मैसेज दिखेगा। यूजर को तत्काल चेतावनी भी मिलेगी। ये प्रणाली खासतौर पर प्रभावित क्षेत्र के लोगों तक तुरंत सूचना पहुंचाने के लिए तैयार की गई है।

सोशल मीडिया पर क्यों हुआ वायरल

जैसे ही लोगों के फोन पर यह अलर्ट आया। कई लोगों ने स्क्रीनशॉट लेकर फेसबुक, व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम पर शेयर करना शुरू कर दिया। कुछ यूजर्स ने इसे हैकिंग या साइबर अटैक से जोड़कर भी अफवाहें फैलानी शुरू कर दी। लेकिन तकनीकी विशेषज्ञों ने तुरंत स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह सुरक्षित और सरकारी प्रक्रिया का हिस्सा है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से टैंट सिलाई मास्टर की मौत

- घटना की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छाया

नारनौल। गांव कारोली-तलोट के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से एक दिव्यांग व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार सवेरे निजामपुर रोड पर लोगों ने एक व्यक्ति के शव को देखा तथा इसकी जानकारी निजामपुर पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में ले उसे नागरिक अस्पताल पहुंचाया। बाद में मृतक की पहचान करीब 42 वर्षीय सुंदर लाल निवासी गांव माउंडा, तहसील नीमकाथाना (राजस्थान) के रूप में हुई है। सुंदर लाल नारनौल में टेंट सिलाई का काम करता था और वह अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए रोजाना काम पर आता-जाता था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात वह किसी कार्य से पैदल ही लौट रहा था, तभी गांव कारोली–तलोट के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुंदर लाल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सुबह करीब 6 बजे तलोट के ग्रामीणों ने सड़क किनारे शव पड़ा देखा और तुरंत इसकी सूचना निजामपुर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल पहुंचाया।

एमए हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान की कक्षाएं शुरू करने और बीए की सीट बढ़ाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

एबीवीपी नगर सतनाली इकाई ने राजकीय महाविद्यालय सतनाली में एम हिन्दी, अंग्रेजी एवं राजनीति विज्ञान की कक्षाएं प्रारंभ करने तथा बीए पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग का ज्ञापन सौंपा। प्राचार्य डा. सुधीर लांबा को शिक्षा मंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस सतनाली कॉलेज में एमए स्तर पर हिन्दी, अंग्रेजी और राजनीति विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषय उपलब्ध नहीं होने से कस्बे व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों में जाना पड़ता है। जिससे उन्हें आर्थिक, समय और परिवहन से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई बार छात्र-छात्राएं इन कठिनाइयों के कारण अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इसके अलावा कॉलेज में बीए पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि वर्तमान में सीटें कम होने के कारण हर वर्ष अनेक योग्य विद्यार्थी प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। इस दौरान कॉलेज स्टाफ से डा. जरनैल सिंह भी मौजूद रहे। एबीवीपी नगर अध्यक्ष डा. विपिन कुमार एवं नगर मंत्री सचिन कुमार ने कहा कि एबीवीपी विद्यार्थियों के हितों के लिए कार्य करती रही है। इस मौके पर ललित, प्रिंस लांबा, कार्तिक, आशीष, अरमान, महारथी, प्रिया, संजू आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सतनाली। प्राचार्य को ज्ञापन सौंपते एबीवीपी कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

जयपुर गए नायन के व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, हत्या का आरोप

- राकेश के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे

नारनौल। गांव नायन निवासी करीब 45 वर्षीय राकेश पुत्र बुधराम की जयपुर में मौत हो गई। राकेश पिछले 16-17 दिन पहले गांव के ही रोशन नामक व्यक्ति के साथ चिनाई का काम करने जयपुर गया था। गुरुवार एक मई शाम परिजनों को फोन कर सूचना दी गई कि राकेश की करंट लगने से मौत हो गई है। इसके बाद रोशन शव को गांव लेकर पहुंचा, लेकिन शव की हालत देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। मृतक के भाई शेर सिंह ने आरोप लगाया कि राकेश के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। उन्होंने बताया कि हाथों से लेकर पेट तक बुरी तरह मारपीट के निशान दिखाई दिए, शरीर के कई हिस्सों की चमड़ी काली पड़ चुकी थी और नाक से गहरा खून निकल रहा था। परिजनों का कहना है कि यदि मौत करंट लगने से हुई होती, तो शरीर पर उसके निशान दिखाई देते, लेकिन ऐसा नहीं था। इसी कारण परिवार ने इसे संदिग्ध मानते हुए निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। मृतक शादीशुदा था तथा उसके दो लड़के व एक लड़की है। परिजनों के अनुसार रोशन ने बताया था कि राकेश ने चार दिन पहले एक काम पूरा कर लिया था।

अपराधियों की धमकियों पर लगाम

आपकी सुरक्षा का नया हथियार अभेद्य एप

नारनौल। अभेद्य ऐप आम नागरिकों को अपराधियों की धमकी भरी और एक्सटॉर्शन (वसूली) कॉल्स से सुरक्षित रखने के लिए एक अत्याधुनिक मोबाइल-आधारित सुरक्षा प्लेटफॉर्म है। पुलिस अधीक्षक ने इस ऐप को बेहद कारगर बताते हुए कहा है कि यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी है जिन्हें एक्सटॉर्शन की कॉल्स आती हैं या जिनके साथ ऐसी घटनाओं की आशंका बनी रहती है। यह ऐप अपराधियों द्वारा किए जाने वाले मानसिक उत्पीड़न और धमकियों को रोकने के लिए एक अत्यंत प्रभावी कदम है। इस ऐप की कार्यप्रणाली बेहद आधुनिक और सुरक्षित है। यह अंतरराष्ट्रीय, वर्चुअल या मास्क किए गए अनजान नंबरों से आने वाली संदिग्ध कॉल्स और व्हाट्सएप संदेशों की पहचान कर उन्हें उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने से पहले ही ऑटोमैटिक रूप से ब्लॉक कर देता है। इसके साथ ही, सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह ऐप इस तरह से काम करता है कि भले ही कॉल आपके पास न पहुंचे, लेकिन बैकएंड पर पुलिस इन सभी संदिग्ध नंबरों का पूरा डेटा सुरक्षित रखती है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुडा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

जिलास्तरीय एनकोरड और नशा मुक्त भारत अभियान को लेकर हुई बैठक

युवाओं को नशे से दूर रखना प्रशासन की प्राथमिकता : अंजली

तस्करों की कमर तोड़ने के लिए संपत्ति होगी जब्त, प्रहरी क्लब भी अब होंगे सक्रिय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने कहा कि जिला प्रशासन युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखकर उन्हें एक सकारात्मक और सुरक्षित माहौल देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। नशा तस्करों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। डीसी आज लघु सचिवालय के जिला स्तरीय नार्को समन्वय केंद्र (एनकोरड) तथा नशा मुक्त भारत अभियान की बैठक ले रही थी। बैठक के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि नशा मुक्त समाज का निर्माण केवल सरकारी आदेशों से नहीं, बल्कि सभी विभागों के आपसी समन्वय और जन-भागीदारी से ही संभव है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियानों की निरंतरता बनाए रखें। स्कूलों और कॉलेजों में भी लगातार जागरूकता अभियान चलाएं। इस संबंध में कोई भी सूचना तुरंत जिला प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि इस संबंध में खुद मुख्यमंत्री भी समय-समय पर दिशा-निर्देश देते हैं। बैठक में राज्य स्तरीय निर्देशों के अनुपालन में तैयार किए गए डिसट्रिक्ट एक्शन प्लान पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि जिले में नशा तस्करों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग की भूमिका को अहम बताते हुए उपायुक्त ने स्कूलों और कॉलेजों में प्रहरी क्लब को अधिक सक्रिय करने के निर्देश दिए ताकि संदिग्ध छात्रों की पहचान कर उन्हें समय रहते उचित परामर्श दिया जा सके।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि वर्ष 2025 और 2026 में चिन्हित किए गए नशा पीड़ितों के उपचार का पूरा डेटा तैयार रखा जाए और शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के अनुसार विशेष रणनीति बनाई जाए। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक दीपक, एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव, एसडीएम महेंद्रगढ़ योगेश सैनी, एसडीएम नांगल चौधरी उदय सिंह, एसडीएम कनीना डॉ जितेंद्र सिंह, डीएमसी रणवीर सिंह, डीएसपी भारत भूषण, नगराधीश डॉ. मंगलसेन, जेल अधीक्षक संजय बांगड़ तथा सीएमओ डॉ अशोक कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

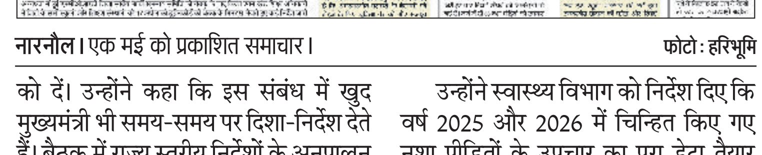
नशे पर लगेगी नकेल, जिले के स्कूलों में चलेगा महाभियान, तस्करों के खिलाफ पुलिस सख्त
पुलिस, शिक्षा व स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त पहल : 'एक्शन प्लान' तैयार

नारनौल। एक मई को प्रकाशित समाचार। फोटो : हरिभूमि

मेडिकल स्टोर्स पर कैमरें अनिवार्य नियमित होगी छापेमारी

डीसी ने खेल विभाग को निर्देश दिए गए कि गांवों और वार्डों में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए ताकि युवाओं की ऊर्जा को खेलों की ओर मोड़ा जा सके। डीसी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा को नशा मुक्ति केंद्रों को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ड्रग कंट्रोल ऑफिसर को निर्देश दिए गए कि वे मेडिकल स्टोर्स पर सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता लागू करें और प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री रोकने के लिए नियमित छापेमारी करें। डीसी ने सभी एनजीओ से निवेदन किया कि अगर कोई नशा से छुटकारा पाना चाहते हैं तो उन्हें जिला के तीन नशामुक्ति केन्द्र में दाखिल कराएं। नागरिक नशा से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1933 पर काल करें।

वर्ल्ड लाफ्टर-डे स्पेशल

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक क्रिया माना जाता है। लेकिन दुनिया भर में हुए अनेक मेडिकल स्टडीज से यह साबित हुआ है कि हंसी, नेचुरल मेडिसिन की तरह होती है। हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में हंसने की बहुत कारगर भूमिका होती है। हंसने के क्या फायदे होते हैं, इसे कैसे थेरेपी की तरह यूज कर सकते हैं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

स्ट्रेस करे दूर-मेंटल हेल्थ को बनाए बेहतर हंसी

कवर स्टोरी
रजनी अरोड़ा

भारती पीएचडी के अंतिम वर्ष में थी। थीसिस सबमिशन की डेडलाइन नजदीक आने के कारण अत्यधिक तनाव, एंग्जाइटी और नींद न आने की समस्या का सामना कर रही थी। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा था, पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रही थी। यहां तक कि उसकी दिनचर्या भी गड़बड़ा गई थी। पैरेंट्स ने उसकी स्थिति को देखते हुए मनोवैज्ञानिक को कंसल्ट किया। उसकी केस हिस्ट्री जानने और थेरेपेटिक इंटरवेंशन के बाद डॉक्टर ने उसे 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने की सलाह दी। शुरुआत में भारती को यह अभ्यास साधारण और प्रभावहीन लगा, लेकिन दो सप्ताह के भीतर उसने तनाव में कमी, मूड स्थिरता और कंसंट्रेशन में सुधार महसूस किया। यह परिवर्तन केवल संयोग नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन का परिणाम था।

जीवन में बढ़ रहा है तनाव

आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में बढ़ती अपेक्षाएं, प्रतिस्पर्धा, हाई प्रेशर जॉब्स, डिजिटल निर्भरता ने हम सभी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। व्यक्ति हंसना मानो भूलता जा रहा है। स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन, ओवर थिंकिंग, बर्नआउट जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से उभर रही हैं और गंभीर वैश्विक चुनौती बनती जा रही हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्व स्तर पर लगभग हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। भारत में भी लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अपने जीवनकाल में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करती है।

हंसना है कारगर उपाय

एक शोध के अनुसार बच्चे दिन में औसतन 300-400 बार हंसते हैं, जबकि वयस्क केवल 8-10 बार। यानी बड़े होते-होते हम हंसी की यह अद्भुत प्राकृतिक शक्ति खो देते हैं। हालांकि व्यक्ति इन समस्याओं की गिरफ्त में न आने और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखना चाहता है, जिसके लिए कई तरह की साइकोलॉजिकल थेरेपी, मेडिटेशन एप्स, मेडिकेशन का भी सहारा लेता है। लेकिन प्रकृति-प्रदत्त उस सहज उपलब्ध और अनमोल उपहार को अकसर नजरअंदाज कर जाता है। वो उपहार है-हंसी या कुछ पल के लिए खुलकर हंसना। हास-परिहास को मानव की एक सहज भावना या स्वाभाविक प्रक्रिया है। खुशी किसी बड़ी उपलब्धि में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है। अगर हम डेली रुटीन में पॉवरफुल टूल यानी हास्य को अपनाने की आदत डाल लें तो निश्चय ही तमाम तरह की मानसिक परेशानियों से आसानी से बचा जा सकता है।

फॉलो करें लाफ्टर रूल

जीवन को खुशहाल बनाने के लिए वैज्ञानिक भी 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने पर बल देते हैं। भले ही छोटा लगे, लेकिन इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है। माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन के माध्यम से यह रूल व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। इसमें तीन मुख्य घटक हैं- 3 यानी, दिन में कम से कम तीन बार दिल से मुस्कुराएं या खुलकर हंसें। किसी भी रूप में, कुछ मजेदार देखते या सुनते हुए। 10 यानी, अपने कार्य के दौरान दस मिनट का एक लाफ्टर ब्रेक लें। हास्यपूर्ण गतिविधियों में शामिल हों, जो हमें हंसने या मुस्कुराने का मौका दें। जैसे- कॉमेडी वीडियो देखना, मजेदार किताब पढ़ना, दोस्तों या परिवार के साथ हंसी-मजाक करना या बच्चों के साथ खेलना। 30 यानी, दिन में कई बार 30 सेकेंड के लिए हंसने या मुस्कुराने का प्रयास करें। छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना और उन पर मुस्कुराना भी इसमें शामिल है। जैसे- किसी सुंदर दृश्य को देखकर, किसी बच्चे की मासूम हरकत पर या किसी हल्के-फुल्के मजाक पर मुस्कुरा देना।

कैसे काम करती है हंसी

हंसी को नेचुरल एंटी-डिप्रेसेंट भी कहा जाता है। यह एक नेचुरल स्ट्रेस रिलीफ मैकेनिज्म के रूप में कार्य करती है। जब हम खुलकर हंसते हैं, तो हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण न्यूरोकेमिकल का स्राव बढ़ जाता है। एंडोर्फिन (प्राकृतिक दर्द निवारक, जो खुशी और संतुष्टि की भावना उत्पन्न करता है), डोपामाइन (मोटिवेशन और खुशी से जुड़ा न्यूरोट्रांसमीटर), सेरोटोनिन (मूड को संतुलित रखने वाला रसायन)। वहीं हंसी, कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को घटाती है। ये केमिकल मूड को बेहतर बनाते हैं, शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं और तनाव को कम करते हैं।

हंसी के पीछे का मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से भी हंसी के प्रभाव को समझा जा सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

इमोशनल रेग्युलेटरः मनोविज्ञान के अनुसार हंसी एक प्रभावी इमोशनल रेग्युलेटर है, जो तनाव और नकारात्मक भावनाओं को कम करने में मदद करती है। कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद करती है।

बिहेवियरल एक्टिवेशन थ्योरीः इसके हिसाब से केवल भावनाएं ही व्यवहार को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि व्यवहार भी भावनाओं को बदल सकता है। यानी यदि व्यक्ति जान-बूझकर हंसता है, तो उसका मूड स्वतः बेहतर हो सकता है।

फेशियल फीडबैक हाइपोथीसिसः सिर्फ मुस्कुराने से भी खुशी का अनुभव हो सकता है। मुस्कुराने पर चेहरे की मसल्स अनायास ही ब्रेन को संकेत भेजती हैं, जिससे भावनाएं प्रभावित होती हैं और मूड में सुधार होता है।

मूड कॉन्ग्रुएंट बिहेवियरः यह एक मनोवैज्ञानिक पैटर्न है, जिसमें व्यक्ति अपने वर्तमान मूड के अनुरूप ही कंटेंट या गतिविधियों को चुनता है। जैसे- जब हम दुःखी होते हैं, तो हम दुःख भरे गाने, वीडियो या विचारों की ओर आकर्षित होते हैं। यह पैटर्न नकारात्मक भावनात्मक चक्र को बढ़ा सकता है। लेकिन यदि हम दुखी होने पर सचेत रूप से अपने व्यवहार में बदलाव लाएं या हंसने की कोशिश करें, तो इस नकारात्मक चक्र को तोड़ सकते हैं।

मेंटल बैलेंस को सुधारे हंसी

हंसी केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की एक गहरी और वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है। इससे कॉग्नीटिव फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा ब्रेन अधिक सक्रिय और क्रिएटिव हो जाता है। समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देख पाता है और आउट ऑफ द बॉक्स सोच विकसित होती है। कई बार कठिन समस्या का हल भी निकाल पाता है। बार-बार हंसने से दिमाग में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। इससे धीरे-धीरे नकारात्मक सोच की आदत कमजोर और सकारात्मक सोच मजबूत होती है। हंसने से भावनात्मक मजबूती बढ़ती है। मुश्किल परिस्थितियों में भी टिके रहने की शक्ति देती है। जो लोग कठिन समय में भी हल्का-फुल्का हास्य बनाए रखते हैं, वे तनाव और असफलताओं से जल्दी उबर जाते हैं। लगातार काम, जिम्मेदारियों और तनाव के कारण जो थकान या बर्नआउट होता है, उसमें हंसी एक रिचार्ज बटन की तरह काम करती है। दिमाग को रीसेट होने का मौका मिलता है। संक्रामक प्रवृति होने के कारण हंसी, सोशल एंग्जाइटी को कम करती है। यह शरीर में सकारात्मक जैविक बदलाव लाकर तनाव कम करती है, मांसपेशियों को आराम देती है, रक्त संचार को सुधारती है और प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाती है। समग्र भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर व्यक्ति को दीर्घकालिक बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनाती है। हंसने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जो रात में सुकून की नींद दिलाने में सहायक है। *

(बहरीन स्थित ब्रिटिश यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेहतरीन थेरेपेटिक टूल भी है लाफिंग

वर्तमान दौर में हास्य का इस्तेमाल थेरेपेटिक टूल या स्ट्रक्चर थेरेपी की तरह बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। कई जगह लाफ्टर क्लब संचालित होते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य, खासकर तनाव प्रबंधन के लिए लाफ्टर-थेरेपी या लाफ्टर-योगा कराया जाता है। इसमें कराई जाने वाली लाफिंग-एक्सरसाइज आर्टिफिशियल हंसी होती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी कारण के जबरदस्ती हंसाया जाता है। शुरू में भले ही यह हंसी जबरन होती है, लेकिन चंद सेकेंड के बाद यह कुदरती रूप ले लेती है। ब्रेन का पैटर्न बनता है। ब्रेन, असली और बनावटी हंसी में अंतर नहीं कर पाता। आर्टिफिशियल हंसी को वास्तविक इमोशनल सिगनल मानता है और मानसिक परेशानियों को भुलाने में मदद करता है।

लाइफस्टाइल
सरस्वती रमेश

हैप्पी लाइफ के लिए जरूरी है हंसना

हंसने से हेल्थ अच्छी रहती है, सोशल रिलेशन स्ट्रॉन्ग बनते हैं, फील गुड होता है। इसलिए जब जहां मौका मिले खूब हंसिए, खिलखिलाइए, दूसरों को भी हंसाइए और अपनी लाइफ को हैप्पी बनाइए।

दुनिया के महानतम हास्य कलाकारों में से एक चार्ली चैपलिन ने कहा है कि हंसी के बिना बीत गया दिन बर्बाद किया गया दिन है। उनकी इस उक्ति में वास्तव में जीवन का गहनतम दर्शन छिपा हुआ है। क्योंकि हंसी से विहीन जीवन, नीरस और बोझिल होता है। हंसी जीवन को उल्लास से जीने की प्रेरणा है। इस प्रेरणा के सहारे जीवन के उतार-चढ़ाव, कमी-बेसी, जीत-हार भरे दिन धैर्य से बीत जाते हैं। उनसे मिले सबक से जीवन को अनुभवों से युक्त किया जाता है। यही अनुभव भविष्य में हमारे मार्गदर्शक बन जाते हैं और हमें अच्छे दिनों की रोशनी में ले जाते हैं। उस रोशनी में हम अपने प्रियजनों के साथ दिल खोलकर हंसते हैं। खुशियां मनाते हैं।

हंसी एक खजाना हैः अमेरिकी दार्शनिक विलियम जेम्स का कहना है कि हम खुश होते हैं, इसलिए नहीं हंसते बल्कि हम हंसते हैं, इसलिए खुश होते हैं। मतलब साफ है कि जीवन का आनंद हमारी मुट्ठी में है। यदि हम खुश रहना चाहते हैं तो हमें हंसना-हंसाना सीखना होगा। जीवन में हंसी का खजाना बेशकीमती होता है। जिसके पास यह खजाना है, वह दुनिया का सबसे दौलतमंद इंसान है। वह बड़ी से बड़ी परेशानी का सामना हंसते हुए कर लेता है। जरा एक छोटे से बच्चे की हंसी को देखिए। उसकी हंसी कितनी निश्छल और उन्मुक्त होती है। बिल्कुल किसी राजा के शाही खजाने की तरह। ऐसी ही मुस्कान की जरूरत हमें उम्र के हर पड़ाव पर होती है। मगर जीवन की आपाधापी में उम्र बढ़ने के साथ अकसर हम हंसना भूल जाते हैं। हमें हंसी की महत्ता को स्वयं तो समझना ही होगा और दूसरों को भी समझाना होगा। हंसी को संक्रमण की तरह फैलाना होगा। धूप, हवा, पानी और प्रकृति की हजारों नेमतों की तरह हंसी भी मुफ्त का उपहार है। कुदरत ने हमें यह उपहार जीवन को सुंदर बनाने के लिए ही दिया है।

कई बीमारियों के उपचार में सहायकः हंसने के अनेक फायदे होते हैं। मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों का कहना है कि हंसने से सिर्फ हमारा मूड अच्छा नहीं होता बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी इससे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं। आपको जानकार हैरानी होगी कि सिर्फ दस से पंद्रह मिनट हंसने से चालीस कैलोरी तक बर्न होती है। हमारा हार्ट अच्छे से काम करता है और ब्लड प्रेशर नियमित रहता है। कैंसर के मरीजों पर जब लाफ्टर थेरेपी का प्रयोग किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले निकले। हंसने से उनका दर्द आधा रह गया था। आपको 'मुन्ना भाई एम. बी. बी. एस.' फिल्म तो याद ही होगी। फिल्म का मुख्य किरदार मुन्ना, मरीजों को हंसाकर और खुश करके ठीक करने की कोशिश करता है। यह महज कल्पना नहीं बल्कि इसमें कुछ सच्चाई भी है। ऐसा कई स्टडीज में पाया गया है कि जिन मरीजों को उपचार के साथ हंसी की खुराक भी मिलती है, वे जल्दी स्वस्थ होते हैं। यानी हंसी से दूर रहने वालों को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान भुगतना पड़ सकता है।

सामाजिक रिश्ते बनाए मजबूतः हंसने से हमारे सामाजिक रिश्ते भी मजबूत बनते हैं। किसी के साथ हंसकर बात करने से हम भावनात्मक रूप से सुदृढ़ महसूस करते हैं। यही भावना साथ वाले व्यक्ति के प्रति आत्मीयता में इजाफा करती है और हमारे भरोसे को बढ़ाती है। जब हम अपने मित्रों, परिचितों और रिश्तेदारों के साथ रहते हैं, तब हंसी-मजाक की संभावना भी बढ़ जाती है और रिश्तों में प्रगाढ़ता भी। दरअसल, हंसने-हंसाने से ही हमारे संबंधों को खाद पानी और नई ऊर्जा मिलती है। हमारे परिवार के हर सदस्य को प्रतिदिन हंसी की छोटी-बड़ी खुराक देने की जरूरत पड़ती है।

बढ़ती है इम्यूनिटी पावरः दिल खोलकर हंसने से तनाव कम होता है। कई शोधों से यह भी पता चला है कि हंसने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है, क्योंकि हंसने से शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स का उत्पादन बढ़ जाता है और यह इम्यून सेल्स को सक्रिय करता है। हमारे शरीर में यही सेल्स बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में हमारी मदद करते हैं। इसलिए नियमित रूप से हंसने से इम्यून सिस्टम को बूस्ट मिलता है।

कह सकते हैं कि हंसी जीवन को खुशहाल बनाने का अचूक नुस्खा है। इसलिए मुफ्त में उपलब्ध इस कुदरती नियामत का भरपूर उपयोग करने में ही समझदारी है। *

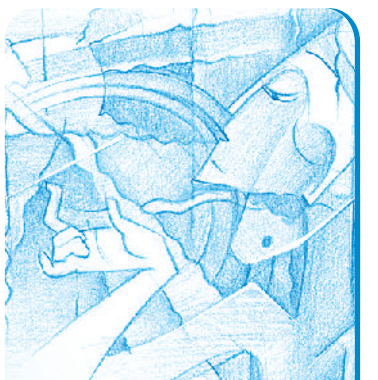

नवगीत
डॉ. गुरु सरन लाल

मुश्किल बहुत बना डाला

कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।
अव्यवस्थित जीवनशैली
बातें भी हैं जाने कैसी
किसी का कोई लिहाज नहीं है
रिश्तों की तो ऐसी-तैसी
अक्ल पर लगा दिया ताला।
भौतिकता के पागलपन में
आपाधापी मची जीवन में
नियम कानून को ताक पे रखते
पानी सूख गए अंखियन में
नैतिकता को पड़ गया पाला।
कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।

व्यंग्य
राजा चौरसिया

जबरन हंसना पड़ेगा

समय बहुत ही परिवर्तनशील है। आज और कल में अर्थात अब और तब में धरती-आसमान जैसा विशाल अंतराल है। यह विकराल होकर भी अनिवार्य रूप से स्वीकार्य है। असली फूलों का विकल्प नकली फूल हैं। जिगर से ज्यादा फिगर तथा मुखड़े से ज्यादा मुखौटे के चलन के प्रतिफलन से ही कुशलता है। उसी के पास अपडेट फिटनेस का सर्टिफिकेट है, जो बयार के अनुसार ही चलता है। इस दिखाऊ युग की कभी जरा भी निंदा करना, जिस थाली में खाना उसी में छेद करना माना जाता है। मगर से बैर करने से खैर नहीं, अगर उसके ही पानी में रहना है। इस जगाने में स्वाभाविकता, सहजता और दुग्ध-धवलता के अकाल के दौर में जबरन के शिष्टाचार की लपेट या चपेट में आना प्रासंगिक है। अंदर से खुशी या हंसी न रहते हुए भी औपचारिकता के नाम पर जबरदस्ती की हंसी अत्यंतावश्यक हो गई है। बॉस पर क्यों न आपको गुस्सा बेहिसाब आ रहा हो, उसके हंसने पर आपको भी हंसना जरूरी ही नहीं मजबूरी भी हो जाती है। जब पारदर्शिता के बिना प्यारदर्शिता का जलवा है और सच की हालत हलवा है, तब स्वाभाविक हंसी के बारे में किंचित भी चिंतित नहीं होना चाहिए। जब रियल से भी बढ़कर आर्टिफिशियल हो जाए, तब जबरन हंसने की गुणवत्ता की ही महत्ता है।

अंदर से खुश न रहते हुए भी बाहर जबरन हंसना, गुड बीइंग से बढ़कर गुड लुकिंग बनाता है। स्किल से पहले स्किन का तथा कर्म सौंदर्य के पहले चर्म सौंदर्य की मान्यता है। आज आचरण से बढ़-चढ़कर आवरण को लाइक करना स्वयं के लायक होने का प्रमाण है। नकलियत के अनुकूल जबरन हंसमुखता को प्रमुखता प्रदान करने की कला से ही भला है। घोर निंदक होकर भी दूसरों के सम्मुख हंसमुख दिखाकर उनकी प्रशंसा करने की मंशा वह विशेषण है, जिसका विश्लेषण करना मीटर से किलोमीटर नापना है।

चार दिन की चांदनी यह जिंदगी है। किसी को आईना दिखाना, अर्थात दुर्मति के कारण अपनी दुर्गति कराना है। जैसे फोटो खिंचवाते समय स्माइल प्लीज सुनते ही जबरन हंसना पड़ता है, वैसे ही वर्तमान यारी, रिश्तेदारी एवं दुनियादारी को फीड करने और बची-खुची मौलिकता को डिलीट करने का हुनर हर नर में होना चाहिए। 'समथिंग इज बैटर देन नथिंग' के अनुसार सीधी चतुराई से ज्यादा चालाकी वाली ट्रिक को क्लिक ही करना है। बिल्कुल खुश न रहते हुए भी भरपूर खुश दिखने से ही व्यावहारिकता को प्राथमिकता देना है। भीतर से झुलसते हुए भी बाहर से जबरन हंसते हुए नमस्ते करना ही शिष्टाचार का नीक व सटीक प्रतीक है। डिफेक्टिव होकर भी अट्रैक्टिव तथा अफेक्टिव दिखने के जबरिया नेचर को सिग्नेचर जैसे स्थाई बनाए रखना है। बिकाऊ जिंस की तरह जिस्म को भी दिखाऊ तथा रिझाऊ बनाए रखने के चातुर्य का प्राचुर्य होना परिवार में भी बेहद आवश्यक है।

आधुनिकता के परवाने जैसे दीवाने पति महोदय मिर्ची जैसी सुपत्नी को मिश्री से बढ़कर मीठी कहकर, हर तरह की आपत्ति और विपत्ति से मुक्त रहते हैं। क्रुद्ध होकर भी गृहयुद्ध से बचने के लिए जबरन हंसकर प्राणप्यासी को प्राणप्यारी कहना दुःखिया होकर भी सुखिया दिखने की बुद्धिमानी है। वातावरण के अनुसार ही आचरण होना चाहिए।

अब जब हंसने के दिन आए हैं, तो इसे सामयिक कटु सत्य मानकर उसी में चलने-ढलने में ही सार है। जब सब कुछ ऊपर-ऊपर ही चलता है, तब दिल को छूकर देखने की बात हास्यास्पद है। आज तो हर कमाऊ व्यक्ति बहुत ही बिजी होने के कारण ईजी नहीं रह सकता। इसीलिए नकली या फसली हास्य-मुद्राएं ही बेहद आवश्यक हैं। प्योरिटी की श्योरिटी न होने के कारण नकली फूलों पर इत्र का स्प्रे स्वाभाविक है। खाद्य से लेकर पेय तक शुद्धता की गारंटी या वारंटी नहीं है। मंचों पर संबोधन से लेकर उद्बोधन तक जबरन स्माइल की स्टाइल मोस्ट वांटेड है। केवल लाफ्टर डे पर ही नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी में भी जबरन ही सही हंसना ही पड़ता है। *

लघुकथा / विनय मोघे

सबक

एक बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी की इंदौर शाखा के लिए मैनेजर के पद के लिए कंपनी के एचआर विभाग में हजारों की संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए। हर आवेदन पत्र एक से बढ़कर एक। हर आवेदक ने अपनी योग्यता, अनुभव को अपने रिज्यूमे में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया था। ऐसा लगता था कि लगभग हर रिज्यूमे को एआई की मदद से बनाया गया है। एचआर विभाग के अनुभवी अधिकारियों ने इन आवेदनों में से कुछ आवेदकों को इंटरव्यू के लिए बुलाया। इंटरव्यू के दिन सभी आवेदक अच्छी वेशभूषा में अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ कंपनी के दफ्तर में पहुंचे। सभी आवेदकों को एक हॉल में बिठा दिया गया, जैसे स्कूल-कॉलेज में परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों को बैठाया जाता है। सभी आवेदकों को निर्देश दिए गए कि उन्हें निश्चित समय में अपना रिज्यूमे वहीं लिखकर तैयार करना है, बिना किसी तकनीकी सहायता के। इंटरव्यू के लिए आए आवेदकों के लिए यह अनपेक्षित था। सभी प्रश्नवाचक नजरों से एक-दूसरे को देखने लगे। उनके चेहरे के हाव-भाव बता रहे थे कि लगभग सभी आवेदकों ने एआई की सहायता से ही अपने रिज्यूमे बनाए थे और अब बिना किसी सहायता के अपना वैसा ही प्रभावी रिज्यूमे बनाना उनको मुश्किल लग रहा था। रेज्यूमे जमा करने का समय खत्म होने वाला था। पर इक्का-दुक्का आवेदकों को छोड़कर किसी ने लिखना तक शुरू नहीं किया था। उन्हें देखकर लग रहा था कि कई सालों बाद वे कागज-कलम का उपयोग कर रहे हैं। आवेदकों में कुछ न लिख पाने के कारण बेचैनी दिखाई दे रही थी। समय समाप्त होने पर दो-तीन आवेदकों ने ही अपना रिज्यूमे लगभग वैसा लिखा था, जैसा उन्होंने भेजा था। इसके बाद सभी आवेदकों को प्रतीक्षा कक्ष में इंतजार करने लिए कहा गया। यहां अपनी बारी का इंतजार करते आवेदक एक-दूसरे से यही बात कर रहे थे कि किसी भी काम के लिए एआई की मदद लेना अच्छी बात है, पर पूरी तरह एआई पर निर्भर होकर अपनी कल्पनाशीलता और मौलिक लिखने की योग्यता को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सभी के चेहरे पर इस बात का संतोष दिखाई दे रहा था कि उन्हें जीवन का एक सबक मिल गया था। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

पाठ पत्रिका का असम विशेषांक

विगत बीस वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही त्रैमासिक पत्रिका 'पाठ' अपने विशेषांकों के लिए खासतौर पर चर्चित रहती है। हाल में ही इसका ताजा अंक 'असम विशेष' के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इस विशेषांक से गुजरते हुए लगता है, जैसे अपने छोटे कलेवर में भी पाठ पत्रिका, असम की विविधवर्णी साहित्यिक-सांस्कृतिक झांकी को समेटे हुए है। यहां नंदेश्वर दैमारी और सैयद अब्दुल मलिक की अनूदित कहानियों, चंद्रमोहन और दिनकर कुमार की कविताओं के अलावा असमिया कहानियों, असमिया उपन्यासों, असमिया सिनेमा और असमिया समाज-संस्कृति पर अच्छे लेख मौजूद हैं। विश्व विख्यात गायक भूपेन हजारिका के व्यक्तित्व को प्रकट करता बढ़िया लेख भी यहां पढ़ सकते हैं। असमिया पत्रकारिता और बोडो साहित्य के बदलते रचना संसार को रेखांकित करता लेख, इस पत्रिका के महत्व को और बढ़ा देता है। इसके साथ ही इस अंक में हाल में दिवंगत हुए विनोद कुमार शुक्ल, ज्ञानरंजन और रंजीत भट्टाचार्य पर स्मृति लेख भी हैं। *

पत्रिकाः पाठ (अप्रैल-जून 2026 अंक) असम विशेष, **संपादकः** देवांशु, **मूल्यः** 125 रुपए, **प्रकाशन स्थलः** बिलासपुर, छत्तीसगढ़

उत्तराखंड के ऑफबीट हिल स्टेशंस
दिखेंगे अनोखे नजारे-मिलेगा सुकून

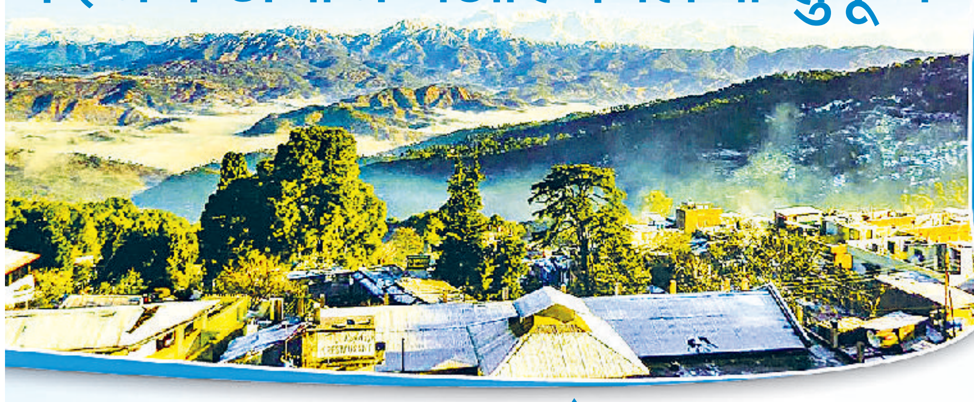

गर्मियों में जब भी हिल स्टेशन पर सैर की बात आती है तो कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड भी पर्यटकों की हिट लिस्ट में शामिल होता है। लेकिन उत्तराखंड में केवल मसूरी, नैनीताल, हरिद्वार या अल्मोड़ा ही नहीं कई ऐसे छोटे ऑफबीट प्लेसेस भी हैं, जहां आपको दिलकश नजारे और अनोखा सुकून मिलेगा। ऐसे ही कुछ स्थलों पर एक नजर।

सैर-सपाटा / समीर चौधरी

इस तपती गर्मी में अगर आप उत्तराखंड की यात्रा करने की सोच रहे हैं तो भीड़-भाड़ भरे हिल स्टेशंस के बजाय इस बार कुछ ऑफबीट प्लेसेस का रुख कर सकते हैं। यहां की हरी-भरी वादियां और ऊंचे पर्वतों के बीच में से निकलती घुमावदार सड़कों से गुजरते हुए आपको अनोखा अनुभव मिलेगा। हम आपको उत्तराखंड में स्थित ऐसे ही कुछ डिफरेंट हिल स्टेशंस के बारे में बता रहे हैं, जो इन गर्मियों में आपके घूमने के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशंस हो सकते हैं।

सर्द एहसास कराता है एबट

उत्तराखंड के एबट माउंट हिल स्टेशन के बारे में तो बहुत ही कम लोग जानते हैं, यही वजह है कि यहां लोगों की भीड़ देखने को नहीं मिलती। यह सुंदर जगह चीड़ व देवदार के जंगलों से घिरी हुई है। ब्रिटिश काल में बनाए गए यूनिक कॉटेज, इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। यहां मौसम हमेशा ठंडा और माहौल बेहद सुकून भरा रहता है। यही वजह है कि यह जगह कपल्स, लेखकों, कलाकारों और अकेले घूमने वालों के लिए बहुत पसंदीदा मानी जाती है। यहां उगते हुए सूरज का सुंदर नजारा देखने के लिए, जंगल घूमने के लिए और पुराने ब्रिटिश कॉटेज देखने के लिए भी आपको जाना चाहिए।

प्राकृतिक सुंदरता-शांति का संगम पियोरा

उत्तराखंड का एक छुपा रुस्तम हिल स्टेशन है पियोरा, जो मुक्तेश्वर के नजदीक है। यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता व शांति के लिए विख्यात है। यहां की मोहक वादियों और दूर दिखने वाले हिमालय के पर्वतों का नजारा अत्यधिक सुकून प्रदान करता है। यहां न तो अधिक होटल हैं और न ही भीड़-भाड़ है। इसलिए गर्मियों में घूमने के लिए पियोरा अच्छी च्वाइस हो सकती है। पियोरा में आप जंगल के रास्तों पर ट्रैकिंग कर सकते हैं, डूबते हुए सूरज को देख सकते हैं।

पियोरा की मनमोहक वादियां

सदाबहार वन और घास के मैदान के लिए विख्यात चोपटा

ओक के घने पेड़ों से घिरा पंगोट

नैनीताल के पास पंगोट एक शांत एवं दिलकश हिल स्टेशन है, जो ओक और रोडोडेंड्रोन के जंगलों से घिरा हुआ है। अगर आप ठंडे और सुकून भरे वातावरण घूमते हुए अनेक तरह के पक्षियों को देखना चाहते हैं तो यह स्थान आपके लिए परफेक्ट है। किलबरी बर्ड सेंचुरी यहीं पर है। यहां ट्रैकिंग भी कर सकते हैं।

पंगोट का खूबसूरत नजारा

मिनी स्विटजरलैंड जैसा चोपटा

चोपटा, रुद्रप्रयाग जिले में स्थित एक बेहद सुंदर हिल स्टेशन है, जिसे 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक सदाबहार वन और घास के मैदान फैले हुए हैं। यहां गर्मियों में भी मौसम ठंडा रहता है। ऐसे में सुंदर रास्तों पर ड्राइव करने में बहुत आनंद आता है। पक्षी प्रेमियों के लिए तो यह स्थान जन्नत से कम नहीं है, क्योंकि यहां 240 से अधिक प्रजातियों के पक्षी देखे जा सकते हैं।

प्रकृति की गोद में बसा चौकोरी

उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ में चौकोरी एक बेहद सुंदर-शांत हिल स्टेशन है, जहां आप बर्फ से ढंकी हिमालय की चोटियां, विशेष रूप से नंदा देवी और पंचचूली के दिलकश नजारे देख सकते हैं। यहां खूबसूरत चाय के बागान भी हैं। इनमें घूमना आपको अनोखे एहसास से भर देगा। प्रकृति की गोद में बसा यह स्थान आपको एक अलग ही अनुभव देगा।

भीड़ से दूर सुकून के लिए जखोल

उत्तरकाशी जिले के बेहद सुंदर हिल स्टेशन जखोल का महत्व इस लिहाज से भी है कि यह पारंपरिक व ऐतिहासिक गांव है, जो सांकरी के पास स्थित है। जखोल को 'पोटैटो विलेज' के नाम से भी जाना जाता है। जखोल में लकड़ी के घर, सीढ़ीदार खेत और सुंदर पहाड़ आप देख सकते हैं। गांव में घूमते हुए स्थानीय पहाड़ी संस्कृति को समझने के लिए भी यह स्थान उपयुक्त है। यहां हिमालयी ट्रैकिंग के कुछ प्रवेश द्वार भी हैं। इस तरह से कहा जा सकता है कि भीड़भाड़ से दूर सुकून और एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए उत्तराखंड का जखोल आदर्श पर्यटन स्थल माना जा सकता है। *

सुहाने मौसम के लिए मशहूर खिर्सू

पौड़ी-गढ़वाल के सबसे सुंदर गांवों में से एक है खिर्सू। गर्मियों में भी खिर्सू का मौसम ठंडा व सुहावना रहता है। सुहाना मौसम और नजारे इतने दिलकश कि बर्फ से ढंके हिमालय को देखकर ऐसा जी करता है कि समय ठहर जाए, मंजर बदले ही नहीं। भीड़भाड़ से दूर अगर आपको अच्छे मौसम के साथ शांति भी चाहिए तो आपके लिए खिर्सू परफेक्ट ट्रैवल डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां के खास आकर्षणों में सेब के बागान, ओक के जंगल, प्राचीन मंदिर और हिमालय व्यू पॉइंट हैं।

खिर्सू, ऋषिकेश से तकरीबन 130 किमी. के फासले पर स्थित है। ऋषिकेश से खिर्सू पहुंचने का यात्रा अनुभव भी आप कभी नहीं भूल पाएंगे। ऋषिकेश से लगभग 3 घंटे की सड़क यात्रा के बाद आप खिर्सू पहुंचेंगे। वहां कदम रखते ही आपको लगेगा जैसे प्रकृति अपनी बांहें फैलाए आपके स्वागत को तैयार है। प्रकृति प्रेमियों के लिए तो खिर्सू जन्नत सा एहसास देता है- कोई भागम भाग नहीं, बस सुकून भरे पल। वहां पर आप इस गांव की सैर करने के अलावा, हिमालय का अद्भुत नजारा देख सकते हैं। प्राचीन चालेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा ट्रैकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं और नेचर वॉक कर सकते हैं। सेब के बागानों की सैर करते हुए दूर तक फैले देवदार और चीड़ के जंगल भी खिर्सू के मुख्य आकर्षण हैं। गर्मी की छुट्टियों के अलावा सितंबर से नवंबर या फिर फरवरी मार्च में भी आप खिर्सू जाने की योजना बना सकते हैं। यहां ठहरने के लिए सरकारी गेस्ट हाउस ही सबसे अच्छा विकल्प है।

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म
दो हजार साल पुराना कंप्यूटर

आधुनिक कंप्यूटर का आविष्कार भले ही 19वीं सदी की बात हो। लेकिन आज से लगभग दो हजार वर्ष पूर्व ऐसे डिवाइस मौजूद थे, जो किसी एनालॉग कंप्यूटर की तरह काम करते थे। ऐसे ही एक प्राचीन कंप्यूटर एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म के बारे में जानिए।

रोचक / शिखर चंद जैन

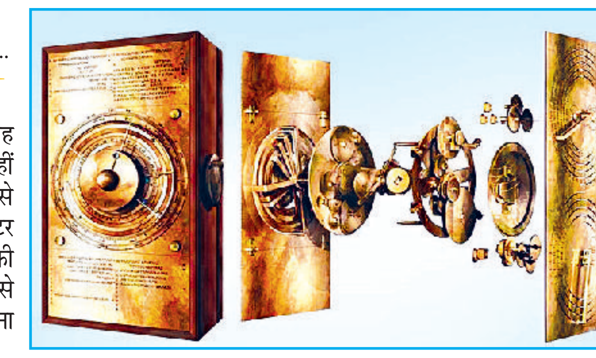

आपको शायद यह पढ़कर यकीन नहीं होगा कि आज से 2000 साल पहले भी कंप्यूटर मौजूद था। भले ही वो आज की तरह हाईटेक नहीं था लेकिन उसे कंप्यूटर का पहला स्वरूप माना जाता है।

समुद्र में मिला पहला कंप्यूटरः 1900 के पहले दशक की शुरुआत की बात है। ग्रीस (प्राचीन यूनान) के पास समुद्र की गहराइयों में डूबे एक जहाज के मलबे से मिली एक अजीबो-गरीब चीज ने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया था। भूमध्य सागर में, एंटीकाइथेरा नाम के एक छोटे से यूनानी द्वीप के पास, कुछ गोताखोर समुद्र की गहराइयों में मोती और स्पंज (समुद्री जीव) खोज रहे थे। उन्हें अचानक समुद्र के तल पर एक पुराना, डूबा हुआ जहाज मिला। यह जहाज सैकड़ों साल पुराना था। गोताखोरों ने मलबे से कई अद्भुत चीजें बाहर निकालीं- सुंदर मूर्तियां, धातु के बर्तन, ढेर सारी कीमती धातुएं और रत्न। लेकिन एक चीज सबसे अलग थी। वह धातु का एक अजीब-सा टुकड़ा था, जिस पर बहुत जंग लगी थी। यह कोई साधारण पत्थर या मिट्टी का बर्तन नहीं था। यह एक मशीन थी, जिसमें बहुत सारे गियर और पहिए लगे थे, ठीक वैसे ही जैसे हाथ घड़ी में होते हैं। इसे एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म कहा जाता है।

जब वैज्ञानिक इस जंग लगे टुकड़े को एथेंस के नेशनल आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम में ले गए और उसे साफ किया, तो वे हैरान रह गए। यह कोई साधारण टुकड़ा नहीं था, यह दुनिया का सबसे पुराना 'एनालॉग कंप्यूटर' था!

इसलिए माना गया इसे कंप्यूटरः आज के कंप्यूटर बिजली से चलते हैं और उनमें कई चिप लगी होती हैं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म, बिजली से नहीं चलता था। यह एक मैकेनिकल कंप्यूटर था। इसका मतलब है कि यह छोटे-छोटे धातु के पहियों, जिन्हें गियर कहते हैं, से बना था। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में कम से कम 30 अलग-अलग गियर थे। जब कोई व्यक्ति इसमें एक हैंडल घुमाता था, तो मशीन के आगे और पीछे लगे डायल पर लगी सुइयां हिलती थीं। यह मशीन कंप्यूटर की तरह ही सटीक गणनाएं करती थी। हजारों साल पहले लोगों के अद्भुत इंजीनियरिंग की समझ का उदाहरण है एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म।

कई गणनाओं में था सक्षमः यह एक प्रकार का खगोलीय कैलकुलेटर था, जो अंतरिक्ष के बारे में गणना कर सकता था। यह ग्रहों और चंद्रमा की चाल बता सकता था। यह इस बात की भी गणना कर लेता था कि आने वाले महीनों और सालों में आकाश में चंद्रमा और सूर्य की स्थिति क्या होगी? यह कंप्यूटर पूर्णिमा और अमावस्या के साथ ही ग्रहण की भी गणना कर सकता था।

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में एक खास डायल था, जिसे सरोस डायल कहते थे। यह डायल सटीक तरीके से बता सकता था कि अगले 18 सालों में सूर्य और चंद्र ग्रहण कब-कब होंगे? उस जमाने में यह किसी आश्चर्य से कम नहीं था।

कंप्यूटर की संरचनाः यह मशीन एक लकड़ी के बक्से के अंदर रखी हुई थी और इसके चारों ओर दरवाजे थे, जिन पर निर्देश लिखे थे। वैज्ञानिकों ने एक्स-रे तकनीक का उपयोग करके मशीन के अंदर देखा, उन्होंने पाया कि अंदर के गियर कांस्य यानी कॉपर के बने थे। उनकी संरचना छोटी और जटिल थी। कुछ गियर तो सिर्फ एक मिलीमीटर चौड़े थे। यह दिखाता है कि उस समय के कारीगर कितने कुशल थे। वे जानते थे कि गियर को एक-दूसरे के साथ सही अनुपात में कैसे फिट किया जाए ताकि वे गणितीय/खगोलीय गणनाएं कर सकें।

यह इतना महत्वपूर्ण क्यों हैः इस मशीन की खोज से पहले, वैज्ञानिकों को लगता था कि इतनी जटिल मशीनें मध्य युग या पुनर्जागरण काल तक नहीं बनाई गई थीं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म ने यह सोच बदल दी। इसने साबित कर दिया कि 2,000 साल पहले भी, लोगों के पास अविश्वसनीय तकनीकी ज्ञान था। यह मशीन आज की जटिल घड़ियों, कंप्यूटर और खगोलीय उपकरणों की पूर्वज मानी जाती है। *

टेक्नोइंपैक्ट / अपराजिता

एक समय तक लोग हंसने के लिए एक-दूसरे को चुटकुले सुनाते, सर्कस में जोकर की हरकतें, स्टैंडअप कॉमेडी शो या कॉमेडी मूवीज देखते थे। लेकिन आज एआई और चैट-जीपीटी के जमाने में हंसना-हंसाना भी स्वाभाविक न होकर टेक्नोलॉजी जेनरेटेड होता जा रहा है। हास्य के बदलते ट्रेंड पर एक नजर।

लाफ्टर पर हावी होती टेक्नोलॉजी
हंसने-हंसाने का बदल गया तरीका

हर साल मई के पहले रविवार को वर्ल्ड लाफ्टर-डे मनाया जाता है। आज लाफ्टर-डे है। हास्य दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि हंसी सिर्फ एक भाव नहीं बल्कि सामाजिक ऊर्जा भी है। एक ऐसी ताकत, जो तनाव, अलगाव और भय को दूर कर देती है। लेकिन इस एआई के दौर में सब चीजें वैसी ही नहीं रहीं, जैसी हम उन्हें अब तक जानते रहे हैं।

हास्य में एआई का हस्तक्षेप

हास्य के क्षेत्र में एआई ने जबरदस्त हस्तक्षेप किया है। आज का हास्य सिर्फ इंसानी अनुभव नहीं है बल्कि एक खास तरह का एल्गोरिद्म बन चुका है, डेटा और मशीन लर्निंग का मिला-जुला रूप है। आज एआई टूल्स ने हास्य को कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक बना दिया है। पहले स्टैंडअप कॉमेडी या व्यंग्य लेखन एक विशेष कौशल माना जाता था। लेकिन आज यह कौशल नहीं बल्कि प्रॉम्प्ट्स बनकर रह गया है। आप चैटजीपीटी या किसी भी लार्ज लैंग्वेज मॉडल को कुछ संकेत करिए, वो पल भर में आपको चुटकुले, मीम्स या व्यंग्यात्मक लेख तैयार करके दे देगा। इसका एक सकारात्मक पहलू यह है कि छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में भी हंसने की नई-नई विधाएं, नई-नई आवाजें उभर रही हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी है, जब हर कोई हास्य बना सकता है, तो भला हंसने की जरूरत कहां रहती है? अगर हंसाना कोई खास गुण नहीं है, तो कोई दूसरे के हंसाने पर क्यों हंसेगा?

खो रही मौलिकता

पहले जब हम किसी के मौलिक हास्य से रूबरू होते थे, तो उसे एक खास प्रतिभा मानते थे, जो किसी-किसी को मिलती है। आज एआई ने इसमें भी एक तरह का संकट पैदा कर दिया है। कॉपी-पेस्ट कॉमेडी का खतरा बढ़ चला है। अगर आप गौर से सुनें तो एक हजार चुटकुलों में शायद ही दो-चार ऐसे आपको मिलेंगे, जिन्हें आपने पहले कभी न सुना हो। दरअसल, हास्य का यह मशीनीकरण बहुत गहरे अर्थों में हमें हास्य से धीरे-धीरे दूर कर रहा है क्योंकि मशीन चाहे जितना बढ़िया हास्य भाव या हास्य रस पैदा कर ले, हम इंसान कभी संतुष्ट ही नहीं होंगे, न ही कभी उसे किसी तरह का रचनात्मक कर्म मानेंगे।

हास्य का पर्सनलाइजेशन

हास्य की दुनिया में एआई का एक बड़ा प्रभाव यह भी है कि इसने हंसने की समूची प्रक्रिया का 'पर्सनलाइजेशन' कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हमारे व्यवहार, हमारी पसंदगी-नापसंदगी और हमारे देखने के ढंग पर इतनी बारीक निगाह रखती है कि जब वो हमें हास्य परोसती है, तो वही हास्य परोसती है, जिस पर हम हंसते हैं। लेकिन यह शुरू-शुरू में तो हंसाती है, बाद में एक ही जैसे कंटेंट देखकर हम बोर होने लगते हैं। कहने का मतलब यह कि एआई का हास्य जितनी तेजी से आकर्षित करता है, उतनी ही तेजी से हमें विकर्षित भी करता है यानी मोहभंग भी उसी रफ्तार से होता है। क्योंकि एआई हमें एक खास तरह के ईको चैंबर में कैद कर देती है और यह इंसानी फितरत होती है कि वह किसी भी एकरसता से ऊब जाता है, चाहे फिर एकरसता उसकी कितनी ही पसंद की क्यों न हो? हास्य व्यंग्य के सामने एआई ने यही सबसे बड़ा खतरा पैदा कर दिया है कि थोक के भाव में जब किसी किस्म का हास्य तैयार होगा, तो वह कितने दिनों तक हंसा पाएगा या उसके हंसाने में कितने दिनों तक नयापन, ताजगी या अनोखापन रह पाएगा। आज के दौर का सबसे लोकप्रिय हास्य माध्यम मीम है। एआई ने मीम निर्माण को इतना मशीनीकृत कर दिया है कि कोई घटना घटती नहीं कि कुछ ही मिनट में हजारों, लाखों मीम्स तैयार हो जाते हैं। शुरू-शुरू में इस कौशल ने जरूर रोमांचित किया था। क्योंकि उसके पहले इंसान की रफ्तार इतनी तेज नहीं थी, लेकिन आज ये कौशल रोमांच नहीं कर रहा बल्कि कुछ ही देर में उबाने लगता है। एआई का हास्य के क्षेत्र में सबसे बड़ा खतरा यही है कि यह इसे डेड कॉमेडी बनाती जा रही है। *

एआई-लाफ्टर के पांच बड़े ट्रेंड

इंस्टेंट कॉमेडीः यह वो हास्य ट्रेंड है, जिसमें सेकेंडों में चुटकुले और मीम्स तैयार किए जाते हैं।

पर्सनलाइजेशनः आज एआई, हर व्यूवर और हर लिसनर को ध्यान में रखकर उसकी पसंद, नापसंद के मुताबिक हास्य तैयार करता है। यह अलग ही किस्म का हास्य अनुभव है।

ग्लोबल ह्यूमरः आज बाकी क्षेत्रों की तरह ही हास्य की दुनिया में भी भाषा और संस्कृति की सीमाएं टूट रही हैं।

एथिकल चैलेंजः पहले मजाक सिर्फ मजाक तक सीमित रहता था, वह अपमान की हद तक नहीं जाती थी, लेकिन आज एआई के प्रभाव में कॉमेडियन भी हास्य को अपमान की सीमा तक ले जाने में संकोच नहीं करते हैं।

ह्यूमन-एआई सहयोगः यह एक ऐसा भविष्य का कॉमेडी मॉडल है, जो अभी पूरी तरह से सामने नहीं आया है, मगर इसके कुछ-कुछ रूप रंग दिखने लगे हैं, जिससे पता चलता है कि ये बाकी सबसे ज्यादा मशीनी होगा।

लाफ्टर डोज से भरपूर
बेहतरीन कॉमेडी फिल्में

अपने शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में कॉमेडी, दर्शकों का पसंदीदा जॉनर रहा है। इसीलिए कॉमेडी करने वाले एक्टर्स ही नहीं सीरियस एक्टर्स ने भी कई फिल्मों में कॉमेडी की। नए-पुराने दौर की कुछ बेहतरीन कॉमेडी फिल्मों पर एक नजर।

सिने ट्रेंड / अशोक वाधवाणी

रोजमर्रा की भाग-दौड़ और तनाव से कुछ देर राहत पाने के लिए अधिकांश दर्शक हिंदी कॉमिक फिल्में देखना खूब पसंद करते हैं। यही वजह है कि शुरुआती दौर से ही लाफ्टर के डोज से भरपूर एक से बढ़कर एक कॉमेडी फिल्में बनती रही हैं। ऑल टाइम फेवरेट कुछ कॉमेडी फिल्मों और एक्टर्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

महमूद की कॉमेडी फिल्मेंः हिंदी सिनेमा के आरंभिक दौर में नाममात्र की कॉमेडी फिल्में बनती थीं। पुराने दौर के फेमस कॉमेडियन और वर्सेटाइल एक्टर महमूद ने फिल्मों में एक्टिंग के साथ-साथ कई कॉमेडी फिल्मों का निर्माण भी किया। इनमें प्रमुख हैं- 'छोटे नवाब', 'भूत बंगला', 'पड़ोसन', 'बॉम्बे टू गोवा' आदि। 'पड़ोसन' एक कल्ट क्लासिक कॉमेडी है, जो बॉलीवुड कॉमेडी मूवीज का माइलस्टोन है। उत्कृष्ट गीत-संगीत, संवाद के अलावा सुनील दत्त, किशोर कुमार, महमूद और सायरा बानो के बेहतरीन अभिनय का संगम है यह फिल्म। आज भी इस फिल्म का क्रेज कायम है।

किशोर कुमार की यादगार कॉमेडी मूवीजः बेहतरीन गायक और अभिनेता, किशोर कुमार ने भी कई कॉमेडी फिल्मों के माध्यम से दर्शकों को खूब हंसाया-गुदगुदाया। 'हाफ टिकट', 'चलती का नाम गाड़ी', 'दिल्ली का ठग', 'मिस्टर एक्स इन बॉम्बे', 'प्यार किए जा' ऐसी ही फिल्में हैं, जिनमें किशोर कुमार की नायक और गायक दोनों ही भूमिकाओं को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

सीरियस डायरेक्टर्स की कॉमिक फिल्में: कॉमेडी फिल्मों के क्रेज को देखते हुए ही सीरियस फिल्में बनाने वाले कई डायरेक्टर्स ने भी कॉमेडी फिल्में बनाईं। हृषिकेश मुखर्जी ने पहले 'गोलमाल' (1979) बनाई जो हिट रही। फिर इसकी सक्सेस से प्रेरित होकर 'चुपके-चुपके', 'रंग-बिरंगी', 'खूबसूरत' जैसी कॉमेडी मूवी बनाकर ऑडियंस को चौंकाया। इसी तरह गुलजार की 'अंगूर' (1982) ऑल टाइम लाइक की जाने वाली कॉमेडी मूवी है। राजकुमार संतोषी की 'अंदाज अपना-अपना' (1994) बढ़िया कॉमेडी मूवी है।

कॉमेडी करने वाले सीरियस एक्टरः दिलीप कुमार जैसे सीरियस एक्टर ने भी 'राम और श्याम', 'गोपी' के अलावा 'आजाद' और 'कोहिनूर' में भी मीना कुमारी के साथ जमकर कॉमेडी की। 'खूबसूरत' में रेखा ने भी अपनी कॉमिक टाइमिंग का कमाल दिखाया। संजीव कुमार जैसे संजीदा अभिनेता ने 'मनचली', 'अपने रंग हजार', 'अंगूर' जैसी फिल्मों में अपनी स्वाभाविक शैली में खूब मनोरंजन किया। अशोक कुमार ने 'विक्टोरिया नंबर 203' में प्राण के साथ मिलकर जबरदस्त कॉमेडी की। इनके अलावा परेश रावल, पंकज त्रिपाठी, नवाजुद्दीन सिद्दिकी, नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी ने भी कई कॉमिक रोल किए हैं।

नए दौर की कॉमेडी फिल्मेंः हाल के दशकों में आई हिंदी कॉमेडी फिल्मों की बात करें तो निर्देशक प्रियदर्शन ने कुछ बेहतरीन कॉमेडी मूवीज बनाई हैं। 'हेरा फेरी', 'हंगामा', 'हलचल', 'दे दनादन' 'ढोल', 'चुप-चुपके' प्रियदर्शन की ऐसी ही फिल्में हैं, जिन्हें देखते हुए दर्शक लोट-पोट हो जाते हैं। कुछ अन्य फिल्म मेकर्स ने भी कमाल की कॉमेडी फिल्में बनाई हैं। कॉमेडी फिल्म 'धमाल' (2007) की दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में कोई एक्ट्रेस नहीं है। 'चाची-420' में कमल हासन और 'आंटी नंबर वन' में गोविंदा लेडीज गेटअप में नजर आए हैं। इन दोनों फिल्मों ने भी दर्शकों को खूब हंसाया।

ये कॉमिक गाने भी हुए हिटः बॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कई सॉन्गस भी बने हैं, जिनमें कॉमेडी का तड़का है। महमूद पर तो बड़ी संख्या में कॉमेडी गीत पिक्चराइज हुए हैं। 'पड़ोसन' का गीत 'एक चतुर नार, बड़ी होशियार...' को कौन भूल सकता है भला! इसी तरह 'नमक हलाल' का गीत 'पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी...' मनोरंजक है। हाल के दौर में इस तरह के गीतों की बात करें तो 'साड़ी के फॉल सा...' (आर. राजकुमार), 'चिंता ता ता चित्ता चित्ता...' (राउडी राठौर), 'मां दा लाडला बिगड़ गया...' (दोस्ताना), 'चलाओ ना नैनों के बाण रे...' (बोल बच्चन) 'हट्टे-कट्टे, उल्लू के पट्ठे। एक ही थाली के चट्टे-बट्टे...' (चश्मे बद्दूर) आदि ऐसे लोकप्रिय गीत हैं, जो गुदगुदाते भी हैं।

क्लाइमैक्स में कॉमेडीः जिस तरह एक्शन फिल्मों का क्लाइमैक्स काबिले गौर होता है, ठीक वही बात कॉमेडी फिल्मों पर भी लागू होती है। निर्माता राज कपूर और निर्देशक राहुल रवैल की जोड़ी की मूवी 'बीवी-ओ-बीवी' के अंत में कार रेस के साथ, रणधीर कपूर द्वारा बाइक पर किया गया पीछा हंगामेदार है। कारों की ऐसी कलाबाजियां होती हैं, जिसे देखकर दर्शक अपनी हंसी रोक नहीं पाते। इसी तरह 'धमाल' (2007) में खजाना पाने की लालसा में सारे कलाकार एक-दूसरे को पछाड़ते हुए आगे निकलने के लिए जो तिकड़में लगाते हैं, वो कहकहे लगाने के लिए काफी हैं। 'वेलकम' (2007) में मधुमक्खियों के छत्ते का झुंड सभी कलाकारों पर आक्रमण करता है। उसके बाद जो भगदड़ मचती है, हंगामा होता है, वो देखने लायक है। प्रियदर्शन की 'हलचल' में अक्षय खन्ना और करीना कपूर के विवाह से पहले मंगलसूत्र को लेकर छीना-झपटी होती है। सबके बीच ऐसी भागदौड़ शुरू होती है कि दर्शक हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाते हैं। *